website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 329 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 05 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी बोले:

एनडीए की जीत रचेगी 20 सालों का नया कीर्तिमान; जंगलराज को मिलेगी करारी हार!

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता भी चुनाव मैदान में उतर गए हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बिहार की मातृशक्ति के साथ 'मेरा बूथ सबसे मजबूत- महिला संवाद' कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

बिहार भाजपा की महिला कार्यकर्ता 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' संकल्प के साथ बहुत शानदार काम कर रही हैं

पीएम मोदी ने 'मेरा बूथ सबसे मजबूत- महिला संवाद' कार्यक्रम में कहा कि इस चुनाव में मुझे जहां-जहां जाने का मौका मिला और जब-जब कार्यकर्ताओं से बात करने का अवसर मिला, मैं देख रहा हूं कि इस बार बिहार का कार्यकर्ता जी-जान से जुटा हुआ है। आप सभी बहुत परिश्रम कर रहे हैं। हर रैली पहले वाली रैली का रिकॉर्ड तोड़ रही है, और उसमें भी हमारी बहनें-बेटियां बहुत बड़ी संख्या में आ रही हैं। बिहार भाजपा की महिला कार्यकर्ता 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' संकल्प के साथ बहुत शानदार काम कर रही हैं।

इस चुनाव में ये पक्का हो चुका है कि एनडीए की विजय हो रही है, बहुत भारी विजय हो रही है

उन्होंने कहा कि इस चुनाव में ये पक्का हो चुका है कि एनडीए की विजय हो रही है, बहुत भारी विजय हो रही है। आज बिहार में जो विकास हो रहा है, वो गरीब, दलित, महादलित, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, सभी के मन में रच-बस गया है। बिहार के लोग मन बना चुके हैं कि इस बार एनडीए की जीत का पिछले 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वही जंगलराज वालों को अब तक की सबसे करारी हार मिलेगी। बिहार का विकास एनडीए ही कर सकता है।

बिहार में एनडीए सरकार ही बहनों-बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार ही बहनों-बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है, इसलिए बिहार की हर नारीशक्ति कह रही है- फिर एक बार एनडीए सरकार, फिर एक बार सुशासन की सरकार। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार महिलाओं के जीवन को आसान बनाने और उन्हें सशक्त करने के लिए लगातार काम कर रही है। बिहार में बिजली का खर्च कम हुआ है। सीएम नीतीश कुमार ने 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दी है। इससे लोगों को बहुत लाभ हो रहा है। हमने बिहार के कई शहरों में मेट्रो चलाने की तैयारी की है।

जंगलराज के दौर में बेटियों का घर से बाहर निकलना मुश्किल था, लेकिन अब ऐसा नहीं है

उन्होंने कहा कि जंगलराज के दौर में बेटियों का बाहर निकलना मुश्किल था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आज रात के समय में भी अस्पतालों में, रेलवे स्टेशनों पर, और अनेक जगहों पर बेटियां बिना डर के काम कर रही हैं। बिहार की महिलाएं जंगलराज के सामने दीवार बनकर खड़ी हो गई हैं। उन्होंने ठान लिया है कि जंगलराज की वापसी कभी नहीं होने देंगी, इसलिए जंगलराज वाले बिहार की महिलाओं को तरह-तरह के झूठ बोलने में जुटे हैं।

बिहार की बेटियां अब स्वरोजगार के जरिए नौकरी देने वाली भी बन रही हैं

पीएम मोदी ने कहा कि जब सुशासन होता है, कानून व्यवस्था का राज होता है तो महिलाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं, इसलिए बिहार की बेटियां अब स्वरोजगार के जरिए नौकरी देने वाली भी बन रही हैं। मुद्रा योजना ने छोटे व्यापार के सपने पूरे किए हैं। जीविका दीदी और डेयरी योजनाओं ने आत्मनिर्भरता की ताकत दी है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में ऐसी विजय देनी है कि जिन्होंने झूठ बोला है, छठी मईया का अपमान किया है, और बिहार को जिन्होंने जंगलराज में रखा था, उनकी जमानत जब्त होनी चाहिए।

तमिलनाडु में 50 करोड़ रुपए के लुप्तप्राय प्रजाति संरक्षण फंड का नया ढांचा तैयार

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने एक प्रमुख संरक्षण पहल के तहत तमिलनाडु लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण कोष (टीएनईएससीएफ) के प्रबंधन का पुनर्गठन किया है। यह कोष 50 करोड़ रुपए का है, जिसका उद्देश्य राज्य भर में लुप्तप्राय प्रजातियों और उनके आवासों की रक्षा और पुनर्स्थापन करना है। पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू द्वारा जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार, इस कोष का प्रशासन राज्य वन विकास एजेंसी (एसएफडीए) से उन्नत वन्यजीव संरक्षण संस्थान (एआईडब्ल्यूसी), वंडलूर को स्थानांतरित कर दिया गया है। इस कदम का उद्देश्य कार्यक्रम में अधिक वैज्ञानिक दृढ़ता और संस्थागत फोकस लाना है। सरकार ने कोष के संचालन की देखरेख के लिए दो समितियों (एक शासी और एक कार्यकारी) का गठन किया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली शासी समिति कोष की रणनीतिक दिशा का मार्गदर्शन करने के लिए हर चार महीने में एक बार बैठक करेगी। इसमें वित्त, उद्योग और पर्यावरण जैसे प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। इसमें रोहिणी नीलेकणी, मल्लिका श्रीनिवासन, जेके पैटरसन एडवर्ड, एस. बालचंद्रन और के. जयकुमार सहित संरक्षणवादी और परोपकारी लोग भी शामिल होंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक सदस्य-संयोजक के रूप में कार्य करेंगे। अपर मुख्य सचिव (पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन) की अध्यक्षता वाली कार्यकारी समिति, दैनिक कार्यों को संभालेगी, परियोजना प्रस्तावों को मंजूरी देगी और उनके कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। एआईडब्ल्यूसी, तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वन विभाग के वरिष्ठ प्रतिनिधि इस पैनल का हिस्सा हैं। पिछले साल 5 करोड़ रुपए की शुरुआती राशि से शुरू किया गया, टीएनईएससीएफ राज्य भर में प्रजातियों की पुनर्प्राप्ति, आवास पुनर्स्थापन और समुदाय-आधारित संरक्षण के लिए परियोजनाओं को वित्तपोषित करेगा। यह तमिलनाडु में संरक्षण वित्त का विस्तार करने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों से अतिरिक्त संसाधन भी जुटाएगा। कार्यक्रम का पहला चरण 4 कम ज्ञात लुप्तप्राय प्रजातियों पर केंद्रित होगा। इनमें से प्रत्येक प्रजाति को अलग-अलग पारिस्थितिक दबावों का सामना करना पड़ता है, जिनमें खंडित आवास और अवैध शिकार से लेकर आक्रामक प्रजातियों और प्रदूषण तक शामिल हैं।

भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग समूह की 22वीं बैठक में रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) की 22वीं बैठक आयोजित की गई है। 3-4 नवंबर को हवाई में सैन्य सहयोग समूह की बैठक के दौरान भारत और अमेरिका ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (एचक्यू आईडीएस) के मुख्यालय ने आज मंगलवार को बताया कि बैठक की सह-अध्यक्षता भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ (सीआईएससी) के प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित और अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जोशुआ एम रुड ने की। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ हेडक्वार्टर ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सैन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करने, संचालन क्षमता को बढ़ाने और एक स्वतंत्र, खुले और सुरक्षित हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर चर्चा हुई।" भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग समूह एक ऐतिहासिक मंच है जिसका उद्देश्य दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच रक्षा सहयोग तथा रणनीतिक और परिचालन रक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है। इससे पहले, भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) की 21वीं बैठक नवंबर 2024 में दिल्ली में आयोजित की गई थी। उस समय बैठक में क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, रक्षा औद्योगिक सहयोग और पारंपरिक व अन्य खतरों से निपटने के लिए तैयारियों को मजबूत करने वाले संयुक्त अभ्यासों की प्रगति समेत कई विषयों पर चर्चा हुई। पिछली बैठक में दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के महत्व पर जोर दिया। दोनों देशों ने सक्रिय जुड़ाव और रणनीतिक रिश्ते को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के समक्ष आने वाली गतिशील चुनौतियों के विरुद्ध भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग के दायरे का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की थी। भारत और अमेरिका ने सितंबर में प्रमुख वार्षिक सैन्य अभ्यास भी किया था। सैनिकों की संख्या के लिहाज से यह भारतीय सेना के सबसे बड़े द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों में से एक रहा। मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के नेतृत्व में 450 कर्मियों वाली भारतीय सेना की टुकड़ी ने अमेरिकी सैनिकों के साथ प्रशिक्षण लिया।

भारत की ऊर्जा मांग अगले दो दशकों में वैश्विक वृद्धि का 25% हिस्सा होगी: हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत की ऊर्जा यात्रा एक नए युग में प्रवेश कर रही है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा, "पीएम मोदी के नेतृत्व में मिशन अन्वेषण भारत के इतिहास में एक सबसे बड़ा सिस्मिक मैपिंग प्रोग्राम बन गया है, जिसे बीते वर्ष अक्टूबर में 792 करोड़ रुपए के निवेश से लॉन्च किया गया था।" उन्होंने एक वीडियो शेयर कर जानकारी दी कि कई दशकों से हम अपनी अधिकतर जरूरतों के लिए ऑयल और गैस पर निर्भर रहे हैं। यहां तक कि आज भी इनसे हमारी ऊर्जा की 80 प्रतिशत जरूरत पूरी हो रही है। उन्होंने बताया कि दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में हमारी मांग समय के साथ लगातार बढ़ती ही जा रही है। इसी के साथ अनुमान है कि अगले दो दशकों में ग्लोबल एनर्जी डिमांड ग्रोथ में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी भारत की ओर से दर्ज की जाएगी और इस फ्यूचर के निर्माण के लिए ही भारत अपने आंतरिक बदलावों पर ध्यान दे रहा है। हम अपनी ही जमीन और समुद्र के नीचे छिपी दौलत की ओर ध्यान दे रहे हैं और यही मिशन अन्वेषण की भावना है। इस मिशन को लेकर आगे जानकारी देते हुए वीडियो में बताया गया है कि मिशन का उद्देश्य देश भर में 20 हजार ग्राउंड लाइन किलोमीटर्स से अधिक की मैपिंग करना है। उन्होंने मिशन की प्रगति को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक कुल 8000 ग्राउंड-लाइन किलोमीटर्स का सर्वेक्षण किया जा चुका है।

वीडियो में दी गई जानकारी के अनुसार, राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर कृष्णा-गोदावरी बेसिन की गहराइयों तक सात सेडिमेंट्री बेसिन की सबसे एडवांस्ड सिस्मिक टेक्नोलॉजी से स्टडी की जा रही है। इसी के साथ हमारे अंडरग्राउंड रिजर्व की कहानी कैप्चर, प्रोसेस और इंटरप्रेट की जा रही है। केंद्रीय मंत्री पुरी के अनुसार, नए ऑयल और गैस फील्ड्स को खोजने, घरेलू उत्पादन को मजबूत बनाने, महंगे आयात पर से निर्भरता कम करने और भारत को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के साथ हमारा लक्ष्य स्पष्ट और शक्तिशाली है।

अमेरिका में शटडाउन से हवाई अड्डे बुरी तरह प्रभावित, हजारों उड़ानें विलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में शटडाउन की स्थिति एक महीने से भी ज्यादा समय से चल रही है। इसका असर अब हवाई अड्डों पर साफ दिखने लगा है। कर्मचारियों की कमी के कारण उड़ानों में देरी और सुरक्षा जांच की लंबी लाइनें बढ़ती जा रही हैं।

पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई

पिछले सप्ताहांत स्थिति और खराब हो गई। सिर्फ रविवार को ही पूरे अमेरिका में पांच हजार से ज्यादा उड़ानें देर से चलीं। सोमवार को व्हाइट हाउस ने इसके लिए डेमोक्रेट नेताओं को जिम्मेदार बताया और कहा कि उनकी राजनीति की वजह से आम लोग परेशान हो रहे हैं। वहीं डेमोक्रेट दल का कहना है कि सरकार और राष्ट्रपति गलत आरोप लगा रहे हैं।

शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं

शटडाउन कब खत्म होगा, यह तय नहीं है। ऐसे में यातायात विभाग ने चेतावनी दी है कि आगे और उड़ानें देर से चलेंगी या रद्द भी हो सकती हैं। हवाई यातायात नियंत्रक को भी बिना वेतन के काम करना पड़ रहा है। परिवहन सचिव शॉन डफी ने कहा कि इन कर्मचारियों पर वित्तीय बोझ बढ़ रहा है और यदि यही स्थिति जारी रही तो कई लोग नौकरी छोड़ने पर मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि देश में पहले से ही लगभग 2,000 से 3,000 नियंत्रकों की कमी है।

मुख्य हवाई अड्डों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने के लिए मिला

फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार दोपहर तक 2,530 से ज्यादा उड़ानें देरी से चल रही थीं और 60 से ज्यादा रद्द कर दी गई थीं। सोमवार दोपहर तक ढाई हज़ार से अधिक उड़ानें देर से चलीं और साठ से ज़्यादा रद्द करनी पड़ीं। मुख्य हवाई अड्डों पर इसका सबसे ज्यादा असर देखने के लिए मिला। हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच भी प्रभावित हुई है। लोगों को सिक्योरिटी लाइन में तीन घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसी तरह कई अन्य बड़े शहरों के हवाई अड्डों में भी इंतजार का समय बढ़ गया है। रिपब्लिकन दल डेमोक्रेट पर गैरकानूनी प्रवासियों को स्वास्थ्य सुविधा देने की मांग करने का आरोप लगा रहा है, जिसे डेमोक्रेट्स गलत बता रहा है। डेमोक्रेट नेताओं का कहना है कि वे तो केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए पहले से जारी स्वास्थ्य लाभ में की गई कटौती वापस करवाना चाहते हैं।

भारत और रोमानिया ने सप्लाई चेन को मजबूत करने व FTA को जल्द पूरा करने पर जताई सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रोमानिया ने व्यापार बढ़ाने, निवेश को प्रोत्साहित करने और भारत–यूरोपीय संघ (EU) आर्थिक ढांचे के तहत सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) को मजबूत बनाने पर सहमति जताई है। यह बैठक भारत के वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और रोमानिया की विदेश मंत्री ओआना-सिल्विया टीओयू के बीच बुकारेस्ट में हुई। बैठक में मुख्य रूप से व्यापार बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और मजबूत व सुरक्षित सप्लाई चेन बनाने पर बात हुई। दोनों पक्षों ने इस साल के भीतर भारत–EU मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को निष्पक्ष, संतुलित और दोनों के लिए लाभदायक रूप में अंतिम रूप देने की सहमति दी। मंत्रियों ने भारत और रोमानिया के बीच स्थिर व्यापार और निवेश संबंधों की समीक्षा की। मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स (दवाइयाँ) और सिरेमिक जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति जताई। साथ ही, मानकों (standards), परीक्षण (testing) और निवेश साझेदारी को बढ़ाने पर भी बात हुई, ताकि दोनों देशों के बाजारों तक बेहतर पहुंच बनाई जा सके। दोनों देशों ने उत्पादन में विविधता लाने और विश्वसनीय साझेदारों के रूप में अधिक मजबूत और सुरक्षित सप्लाई चेन विकसित करने पर भी सहमति जताई, ताकि व्यापारियों और उद्योगों को स्थिरता और भरोसा मिल सके। बयान में

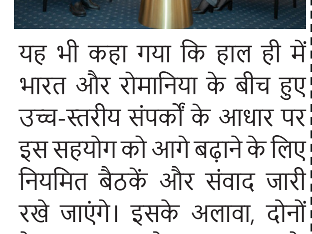

यह भी कहा गया कि हाल ही में भारत और रोमानिया के बीच हुए उच्च-स्तरीय संपर्कों के आधार पर इस सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए नियमित बैठकें और संवाद जारी रखे जाएंगे। इसके अलावा, दोनों देश व्यापार को आसान बनाने, 'मोबिलिटी टूलकिट' विकसित करने और निवेश आकर्षित करने के लिए ठोस कदम उठाने पर भी साथ काम करेंगे, ताकि अवसरों को वास्तविक परिणामों में बदला जा सके। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत का रोमानिया को निर्यात 1.03 अरब डॉलर से अधिक रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023–24 में कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2.98 अरब डॉलर तक पहुंचा। सोमवार को, रोमानिया ने यह भी कहा कि वह हर साल लगभग 30,000 कुशल भारतीय पेशेवरों को रोजगार देने का रास्ता बनाने के लिए तैयार है, जो उसके श्रम बाजार की मांग के अनुसार होगा।

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच FTA वार्ता के चौथे दौर की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूज़ीलैंड ने सोमवार को ऑकलैंड में मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के चौथे दौर की बातचीत शुरू की। यह वार्ता 3 से 7 नवंबर तक चलेगी और दोनों देशों के बीच एक संतुलित, व्यापक और आपसी लाभ देने वाली साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस दौर की बातचीत में मुख्य रूप से वस्तुओं का व्यापार, सेवाओं का व्यापार और 'रूल्स ऑफ ओरिजिन' यानी उत्पादों की उत्पत्ति तय करने वाले नियमों पर चर्चा हो रही है।

दोनों देश अब तक हुई प्रगति के आधार पर शेष मुद्दों को हल करने और जल्द से जल्द समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। यह बातचीत दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी को गहरा करने की उस प्रतिबद्धता पर आधारित है, जिसका ज़िक्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2025 में न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत यात्रा के दौरान किया था।

इस FTA की औपचारिक शुरुआत 16 मार्च को हुई थी, जब वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूज़ीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैकक्ले ने मुलाकात की थी। दोनों देशों ने एक ऐसा व्यापार ढांचा बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है जो भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हो, समावेशी हो, और दोनों अर्थव्यवस्थाओं की साझा समृद्धि और टिकाऊ विकास को समर्थन दे।

इससे पहले सितंबर में तीसरे दौर की बातचीत न्यूजीलैंड के क्वीनस्टाउन में 15 से 19 सितंबर तक हुई थी, जो सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी। उस दौरान कई अध्यायों पर सहमति बनी थी और अन्य क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई थी।

वित्त वर्ष 2024–25 में भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 1.3 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 49 प्रतिशत अधिक है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित FTA लागू होने के बाद व्यापार में और बढ़ोतरी होगी, निवेश के नए अवसर पैदा होंगे, सप्लाई चेन मजबूत होगी और कारोबार के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद ढांचा तैयार होगा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली ने सरकारी कंपनियों के निजीकरण ढांचे में बदलाव का रास्ता खोला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने मंगलवार को सरकार को सरकारी कंपनियों के प्राइवेटाइजेशन से जुड़े नियमों में बदलाव का निर्देश दिया। उन्होंने तर्क दिया कि आम जनता की राय को इसमें अहमियत दी जाए।

दरअसल, ली का मानना था कि इन संपत्तियों को नुकसान में बेचा जा रहा है

ली ने ये सरकारी संपत्ति को बेचने से रोकने के लिए आपातकालीन निर्देश जारी करते हुए कैबिनेट बैठक में कही। दरअसल, ली का विचार था कि इन संपत्तियों को नुकसान में बेचा जा रहा है। योनहाप न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने कहा, "ऐसे मामले सामने आए हैं जहां सरकार ने सार्वजनिक उद्यमों के निजीकरण को बहुत आसानी से और एकतरफा तरीके से किया है, जो आम जनता की राय के खिलाफ है, और कभी-कभी यह एक राजनीतिक मुद्दा बन जाता है।"

ली ने बताया कि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता रहते उन्होंने सरकारी कंपनियों के निजीकरण को नियंत्रित करने की कोशिश की थी, पर सफल नहीं हुए

ली ने कहा कि जब वह डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता थे, तो उन्होंने सार्वजनिक उद्यमों के निजीकरण को रोकने या उसे प्रक्रिया के हिसाब से नियंत्रित करने के लिए एक प्रणाली शुरू करने की कोशिश की थी, लेकिन वह नाकाम रहे।

ली ने कहा कि सरकारी केंद्रों के निजीकरण से पहले संसद और जनता की राय लेना जरूरी है

"निजीकरण के लिए बड़े सरकारी केंद्रों को निजी क्षेत्र के हाथों बेचने को लेकर आम लोगों की भावनाओं को देखते हुए, सरकार को एक ऐसे सिस्टम पर विचार करना चाहिए, जिसमें आगे बढ़ने से पहले नेशनल असेंबली के साथ पूरी बातचीत हो या जनता की राय को ठीक से शामिल किया जाए।"

ऑडिट में पता चला कि कोरिया एसेट मैनेजमेंट कॉर्प. सरकारी संपत्तियां कम कीमत पर बेच रही है

हाल ही में कोरिया एसेट मैनेजमेंट कॉर्प. का ऑडिट हुआ, जो सरकारी संपत्तियों का प्रबंधन करती है। इसमें सांसदों ने बताया कि सरकारी संपत्तियों को उनकी सही कीमत से कम में बेचे जाने के मामले बढ़ रहे हैं।

ली जे म्युंग ने कहा कि दक्षिण कोरिया आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता विकसित करेगा और उत्तर कोरिया से संवाद फिर शुरू करने का प्रयास करेगा

वहीं, ली जे म्युंग की सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर विचार भी चर्चा में हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा था कि दक्षिण कोरिया अपनी रक्षा क्षमताओं को काफी मजबूत करके एक आत्मनिर्भर सेना बनाने की योजनाओं को आगे बढ़ाएगा, साथ ही उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की कोशिशें भी जारी रखेगा।

ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया को आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता विकसित करनी चाहिए, क्योंकि विदेशों पर निर्भरता राष्ट्रीय गौरव को ठेस पहुंचाती है

ली ने बजट भाषण में कहा, "हम अपनी राष्ट्रीय रक्षा क्षमताओं को काफी मजबूत करेंगे और आत्मनिर्भर बनने की अपनी उम्मीद को पूरा करेंगे।" उन्होंने कहा कि अगर दक्षिण कोरिया अपनी रक्षा क्षमताओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहता है तो "हमारे लोगों के मान" को ठेस लगेगी।ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया का लक्ष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके अपनी रक्षा सेना को एक "स्मार्ट और मजबूत" सेना बनाना है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

डिजिटल दुनिया की चकाचौंध : नई पीढ़ी के लिए खतरे की घंटी

आज का युग डिजिटल युग कहलाता है। हर हाथ में स्मार्टफोन और हर जेब में इंटरनेट है। सोशल मीडिया, गेमिंग और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने हमारी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन लिया है। लेकिन जिस गति से यह तकनीकी चकाचौंध बढ़ रही है, उसी रफ्तार से यह हमारे जीवन पर नकारात्मक असर भी डाल रही है। मोबाइल और सोशल मीडिया की यह लत अब धीरे-धीरे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाली बीमारी का रूप लेती जा रही है। इसीलिए इसे एक खतरे की घंटी माना जाना चाहिए। आज हर उम्र का व्यक्ति किसी न किसी रूप में डिजिटल लत से जूझ रहा है, लेकिन सबसे ज़्यादा असर युवा और किशोर वर्ग पर पड़ा है। स्कूल-कॉलेज के बच्चे घंटों मोबाइल पर गेम खेलने, सोशल मीडिया स्क्रॉल करने या वीडियो देखने में लगे रहते हैं। यह लत अब इतनी गहरी होती जा रही है कि कई बच्चे और युवा नशे की तरह मोबाइल से चिपके रहते हैं। कई मामलों में तो यह स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि उन्हें नशामुक्ति केंद्रों में भर्ती करना पड़ रहा है। विभिन्न शोध और रिपोर्टें इस खतरे की पुष्टि करती हैं। हाल ही में सेंसर टावर की एक रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में पिछले वर्ष मोबाइल पर 1.12 ट्रिलियन घंटे बिताए गए, जो दुनिया में सबसे ज़्यादा है। यह आंकड़ा इस बात की गंभीर चेतावनी है कि हम किस दिशा में बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 0 से 18 वर्ष की आयु के करीब 40 करोड़ बच्चों में से हर तीसरा बच्चा मोबाइल की लत का शिकार है। यानी हमारी नई पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे डिजिटल नशे के गिरफ्त में जा रहा है। मोबाइल की इस लत से जहां नींद न आने, आंखों में दर्द, सिरदर्द, थकान और मोटापे जैसी शारीरिक समस्याएं बढ़ रही हैं, वहीं मानसिक तौर पर भी इसका बुरा असर दिख रहा है। तनाव, बेचैनी, चिड़चिड़ापन और अकेलापन अब आम बात हो गई है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली बनावटी जिंदगी और तुलना की प्रवृत्ति ने युवाओं में आत्मविश्वास की कमी और अवसाद को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया की यह चमक धीरे-धीरे एक गहरे अंधेरे में तब्दील होती जा रही है। परिवारों में संवाद कम हो रहा है, बच्चे माता-पिता से दूर होते जा रहे हैं, और रिश्तों में ठंडापन आ रहा है। यहां तक कि भोजन के दौरान, यात्रा में या किसी पारिवारिक कार्यक्रम में भी लोग मोबाइल में उलझे रहते हैं। असल ज़िंदगी से दूर यह आभासी संसार हमारी सोच, आदतों और व्यवहार को निगलता जा रहा है। अब समय आ गया है कि हम इस खतरे की आवाज़ को गंभीरता से सुनें। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के मोबाइल इस्तेमाल पर नियंत्रण रखें, समय-सीमा तय करें और उन्हें वास्तविक सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। स्कूलों और कॉलेजों को भी इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाने की ज़रूरत है।

जासूसी और नीति: सुरक्षा बनाम आर्थिक हित — चीन की खुफिया चालों से भारत के लिए चेतावनी

-भारत के लिए नीतिगत दिशा — सुरक्षा और अर्थनीति का संतुलन

21वीं सदी का यह दौर केवल तकनीक और व्यापार का युग नहीं है, बल्कि यह सूचना की लड़ाई का युग भी बन चुका है। अब जंगें केवल हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा, नेटवर्क और खुफिया सूचनाओं के ज़रिए भी लड़ी जा रही हैं। इस वैश्विक खुफिया युद्ध में चीन सबसे बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरा है। उसकी रणनीति केवल सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों, व्यापारिक सौदों, तकनीकी साझेदारियों और डिजिटल नेटवर्क के ज़रिए भी आगे बढ़ रही है। हाल में ब्रिटेन और अमेरिका में सामने आए दो बड़े जासूसी मामले इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि चीन किस तरह अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों की रक्षा और विस्तार के लिए दूसरे देशों के अंदरूनी ढाँचे में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा है। इन मामलों ने यह भी उजागर किया है कि किसी भी देश के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों का संतुलन बनाए रखना कितना कठिन होता जा रहा है। सुरक्षा दीवारें मज़बूत करने के साथ-साथ वैश्विक व्यापारिक साझेदारी को भी कायम रखना किसी सरकार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है।

लंदन की अदालत में उभरा "ड्रैगन कनेक्शन"

सितंबर 2025 में लंदन की अदालतों में ऐसा मामला सामने आया जिसने ब्रिटिश खुफिया व्यवस्था की जड़ें हिला दीं। दो ब्रिटिश नागरिक — क्रिस्टोफर कैश और क्रिस्टोफर बेरी — पर आरोप लगा कि उन्होंने चीन के पक्ष में जासूसी की। क्रिस्टोफर कैश ब्रिटिश संसद में शोधकर्ता और "चाइना रिसर्च ग्रुप" के निदेशक रह चुके थे। उन पर आरोप था कि उन्होंने संसद से जुड़ी संवेदनशील राजनीतिक जानकारियाँ हासिल

कीं और बेरी के माध्यम से उन्हें चीन तक पहुँचाया। ये जानकारियाँ यूके की चीन-नीति, निवेश प्रतिबंधों, और तकनीकी सहयोग से जुड़ी थीं। जांच के दौरान ब्रिटिश पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों के खिलाफ कई साक्ष्य जुटाने की कोशिश की, परंतु अदालत में सरकार की गवाही और ठोस सबूतों की कमी सामने आई। क्राउन प्रोसीक्यूशन सर्विस (CPS) ने आखिरकार अभियोजन वापस ले लिया। कारण यह बताया गया कि उस समय ब्रिटेन ने चीन को "राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए शत्रु राष्ट्र" घोषित नहीं किया था, इसीलिए कानूनी रूप से मामला कमजोर था। यह मात्र अदालत की हार नहीं थी, बल्कि ब्रिटिश नीति-निर्माण की अनिश्चितता और झिझक का प्रतीक भी थी।

ब्रिटिश नीति की दोहरी दुविधा

ब्रिटेन की यह विफलता केवल कानूनी नहीं, बल्कि रणनीतिक थी। लंदन एक ओर चीन को लेकर सुरक्षा चिंताओं से ग्रस्त है, दूसरी ओर उसके साथ भारी व्यापारिक निर्भरता रखता है। ब्रिटेन के लिए चीन एक बड़ा व्यापारिक भागीदार है। हजारों चीनी कंपनियाँ और छात्र ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में हैं। 5G नेटवर्क से लेकर सेमीकंडक्टर तक चीन की भूमिका अहम है। इसलिए ब्रिटिश सरकार चाहकर भी चीन के खिलाफ पूरी तरह से सख्त रुख नहीं अपना पाई। नतीजा यह हुआ कि सुरक्षा एजेंसियों को कानूनी कवच नहीं मिला और अदालत में मामला टिक नहीं पाया। यह स्थिति हमें बताती है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा नीति के बीच टकराव अब नई हकीकत बन चुका है। ब्रिटेन का झिझकना चीन के लिए एक अवसर बन गया। बीजिंग ने इसे अपनी "सॉफ्ट पावर" की जीत के तौर पर देखा, क्योंकि इससे पश्चिमी खेमे की एकता पर भी सवाल उठे।

अमेरिका में भी खुला चीन का खुफिया मोर्चा

ब्रिटेन तक सीमित न रहें तो हाल ही में अमेरिका में भी चीन से जुड़ी जासूसी गतिविधियों को लेकर हड़कंप मचा। एक बेहद चर्चित मामले में भारतीय मूल के अमेरिकी नीति-विशेषज्ञ एश्ले टैलिस (Ashley Tellis) पर आरोप लगे कि उन्होंने अमेरिकी रक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी अपने पास रखी और संभवतः चीन के संपर्क में रहे। टैलिस अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के समय राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) में कार्यरत रह चुके हैं और दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत से जुड़ी नीति-निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। एफबीआई की छापेमारी में उनके घर से हजारों पृष्ठों के गोपनीय दस्तावेज़ बरामद हुए। इनमें कुछ दस्तावेज़ इंडो-पैसिफिक स्ट्रैटेजी और चीन की सैन्य रणनीति से जुड़े बताए गए। हालाँकि टैलिस ने सभी आरोपों से इंकार किया है और उन्हें जमानत मिल चुकी है, लेकिन यह मामला अमेरिकी सुरक्षा संस्थानों को गहरी चिंता में डाल गया है। यह भी पहली बार नहीं है जब अमेरिका में किसी विद्वान या अधिकारी पर चीन के पक्ष में जासूसी का आरोप लगा हो। पिछले पाँच वर्षों में 80 से अधिक चीनी जासूसी मामलों में एफबीआई ने कार्रवाई की है — जिनमें कई तकनीकी कंपनियाँ, विश्वविद्यालय और रक्षा ठेकेदार शामिल हैं।

चीन की खुफिया रणनीति — "ड्रैगन के पंजे" हर दिशा में

चीन की जासूसी नीति बहुत व्यापक और योजनाबद्ध है। इसे समझने के लिए हमें उसकी कुछ प्रमुख रणनीतियों पर नज़र डालनी होगी —

एकेडमिक इन्फिल्ट्रेशन (शैक्षणिक घुसपैठ): चीन विदेशी विश्वविद्यालयों में अपने छात्रों और शोधकर्ताओं के माध्यम से खुफिया जानकारी जुटाने का काम करता है। अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में इसके कई उदाहरण सामने आए हैं।

टेक्नोलॉजिकल एस्पियोनेज (तकनीकी जासूसी): चीनी कंपनियों द्वारा पश्चिमी देशों की रक्षा या सेमीकंडक्टर तकनीक चुराने के कई मामले दर्ज हुए हैं। हुवावे (Huawei) और ZTE पर लगाए गए आरोप इसी श्रेणी में आते हैं।

डिजिटल सर्विलांस नेटवर्क: "TikTok" जैसे ऐप और चीनी स्मार्टफोनों के डेटा-एक्सेस मॉडल को लेकर भी कई देश चिंतित हैं। पश्चिमी विशेषज्ञों का मानना है कि इन ऐप्स के ज़रिए चीन बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ताओं की जानकारी जुटा रहा है।

डायस्पोरा नेटवर्क और सॉफ्ट पावर: चीन अपनी प्रवासी आबादी, सांस्कृतिक संस्थानों (जैसे कन्फ्यूशियस इंस्टीट्यूट्स), और व्यापारिक समूहों का इस्तेमाल सूचना-संग्रह के माध्यम के रूप में करता है।

भारत के लिए क्या चेतावनी है?

भारत के लिए इन घटनाओं में गहरा संदेश छिपा है। भारत आज चीन का सबसे बड़ा रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी है, और सीमा विवादों के बावजूद दोनों देशों के बीच भारी व्यापारिक संबंध हैं। भारत-चीन व्यापार 2024-25 में 135 अरब डॉलर तक पहुँच गया। दूसरी ओर, सीमा पर लद्दाख और अरुणाचल में तनाव बना हुआ है। साइबर जासूसी के कई मामले भारत में भी पकड़े जा चुके हैं। चीन के "डेटा वॉरफेयर" की रणनीति भारत के लिए सीधी चुनौती है। भारतीय रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय की रिपोर्टों में बार-बार उल्लेख हुआ है कि चीन से जुड़े साइबर समूह सरकारी और निजी नेटवर्क में सेंध लगाने की कोशिश करते हैं। 2020 में पावर ग्रिड अटैक (मुंबई और लद्दाख क्षेत्र में) इसका प्रत्यक्ष उदाहरण था। भारतीय साइबर एजेंसियों ने बाद में पाया कि हमले के IP स्रोत चीन के सर्वरों से जुड़े थे। भारत के लिए यह जरूरी है कि वह सुरक्षा और आर्थिक नीति के बीच संतुलन बनाते हुए एक स्पष्ट खुफिया रणनीति तैयार करे।

क्लाउड सीडिंग: कृत्रिम वर्षा में छिपी उम्मीदें और आशंकाएं

-प्रकृति और विज्ञान का संवाद – नियंत्रण या सहयोग?

जब धरती की प्यास अधूरी रह जाए, जब हवा में सांस लेना कठिन हो जाए और जब आकाश केवल धुंध का आईना बन जाए, तब विज्ञान उम्मीद की उस डोर को थामता है, जिसे "नियंत्रित" कहा जा सकता है। दिल्ली ने हाल में इसी डोर को पकड़ा, जब उसने प्रदूषण से त्रस्त हवा में कृत्रिम वर्षा यानी 'क्लाउड सीडिंग' का प्रयोग किया। यह केवल एक तकनीकी प्रयोग नहीं था, बल्कि उस शहर की पुकार थी, जो हर सर्दी में दम घुटने के कगार पर पहुंच जाता है। यह प्रयास विज्ञान और प्रकृति के बीच उस संवाद की मिसाल है, जहां इंसान प्राकृतिक शक्तियों को अपने नियंत्रण में लाने की कोशिश करता है — कभी उम्मीद के साथ, तो कभी अनिश्चितता के भय में।

क्लाउड सीडिंग क्या है?

क्लाउड सीडिंग (Cloud Seeding) मौसम संशोधन की वह तकनीक है, जिसमें बादलों के अंदर कुछ विशेष रासायनिक तत्व जैसे सिल्वर आयोडाइड (Silver Iodide), सोडियम क्लोराइड (NaCl) या पोटैशियम आयोडाइड (KI) छोड़े जाते हैं ताकि बादलों की नमी वर्षा में बदल सके। यह प्रक्रिया वायुमंडल में मौजूद छोटे जलकणों को एकजुट कर बारिश की बूंदों में बदलने का काम करती है। सामान्यतः बादल में मौजूद जलकण इतने छोटे होते हैं कि वे खुद से बारिश नहीं कर पाते। ऐसे में जब सिल्वर आयोडाइड जैसे ठोस कण बादल के भीतर छोड़े जाते हैं, तो वे नाभिक (nuclei) का काम करते हैं और जलकण उन पर संघनित होकर बड़े आकार में बदल जाते हैं — और परिणामस्वरूप वर्षा होती है। यह प्रक्रिया विमानों या जमीन से छोड़े गए रॉकेटों के माध्यम से की जाती है। इसे 'कृत्रिम वर्षा' कहना पूरी तरह सही नहीं है, क्योंकि यह बारिश को निर्मित नहीं करती, बल्कि संभावित बादलों में वर्षा को प्रेरित करती है।

दिल्ली का प्रयोग और उसकी पृष्ठभूमि

दिल्ली की सर्दियां अब केवल ठंड का नहीं बल्कि "स्मॉग" का पर्याय बन चुकी हैं। हर साल नवंबर से जनवरी के बीच हवा इतनी जहरीली हो जाती है कि बच्चों और बुजुर्गों को घरों में बंद रहना पड़ता है। पराली जलाने, वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक धुआं और स्थिर हवाओं का संयुक्त असर ऐसा विषाक्त मिश्रण तैयार करता है जिसमें PM2.5 और PM10 जैसे सूक्ष्म कण कई गुना बढ़ जाते हैं। ये कण न केवल सांस की बीमारियों को जन्म देते हैं बल्कि हृदय रोग, कैंसर और न्यूरोलॉजिकल विकारों के लिए भी जिम्मेदार माने जाते हैं। ऐसे में जब प्राकृतिक बारिश नहीं होती, तो प्रदूषण लंबे समय तक हवा में टिका रहता है। दिल्ली सरकार ने इसी कारण "क्लाउड सीडिंग" का विकल्प अपनाने की दिशा में कदम बढ़ाया। विचार यह था कि यदि कृत्रिम वर्षा करवाई जाए, तो हवा में मौजूद सूक्ष्म धूलकण नीचे बैठ जाएंगे और कुछ समय के लिए प्रदूषण का स्तर घटेगा।

भारत में क्लाउड सीडिंग का इतिहास

भारत में क्लाउड सीडिंग का प्रयोग कोई नई बात नहीं है। 1957 में पहली बार मानसून सीजन में कृत्रिम वर्षा का प्रयोग किया गया था। 1980 के दशक में तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र ने सूखे की स्थिति से निपटने के लिए इस तकनीक को अपनाया। 2003 में महाराष्ट्र सरकार ने 'हैदराबाद एयरक्राफ्ट' के सहयोग से बड़े स्तर पर सीडिंग अभियान चलाया। 2008-09 में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में क्लाउड सीडिंग से कुछ क्षेत्रों में 10-15 प्रतिशत तक अधिक वर्षा दर्ज की गई। हाल के वर्षों में राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली ने भी इस तकनीक में रुचि दिखाई है। भारत में इस तकनीक का उपयोग मुख्यतः दो कारणों से किया गया है – (1) सूखे और जल संकट से निपटने के लिए, और (2) वायु प्रदूषण को कम करने के लिए।

क्लाउड सीडिंग की वैज्ञानिक प्रक्रिया

क्लाउड सीडिंग करने से पहले मौसम वैज्ञानिक कई महत्वपूर्ण मानकों का अध्ययन करते हैं — बादलों की नमी की मात्रा (Moisture content) वायुमंडलीय तापमान और आर्द्रता (Temperature & Humidity) हवा की दिशा और गति (Wind direction & speed बादलों की ऊँचाई और मोटाई (Cloud height & thickness) जब मौसम विभाग यह सुनिश्चित कर लेता है कि बादलों में पर्याप्त नमी मौजूद है, तब विमान के माध्यम से या जमीन से रॉकेटों के द्वारा सीडिंग सामग्री छोड़ी जाती है। यह प्रक्रिया सामान्यतः 2,000 से 10,000 फीट की ऊँचाई पर की जाती है। यदि सब कुछ अनुकूल हो, तो अगले 30 से 60 मिनट के भीतर वर्षा शुरू हो सकती है।

क्लाउड सीडिंग के संभावित लाभ

प्रदूषण नियंत्रण: कृत्रिम वर्षा हवा में मौजूद धूल, धुआं और सूक्ष्म कणों को नीचे गिरा सकती है। इससे PM स्तरों में अस्थायी कमी आती है और हवा की गुणवत्ता सुधरती है।

सूखा राहत: जिन क्षेत्रों में बरसात कम होती है, वहां क्लाउड सीडिंग से सिंचाई और पेयजल की कमी को कुछ हद तक दूर किया जा सकता है।

कृषि उत्पादन में सुधार: बारिश होने से खेतों में नमी बनी रहती है, जिससे फसलें बेहतर होती हैं और किसान राहत महसूस करते हैं।

जंगल की आग रोकने में सहायक: कई देशों में जंगलों में लगी आग को बुझाने या फैलने से रोकने के लिए भी क्लाउड सीडिंग का उपयोग किया गया है।

भूजल पुनर्भरण (Groundwater recharge): कृत्रिम वर्षा से जमीन में पानी की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे सूखे इलाकों में जलस्तर सुधरता है।

क्लाउड सीडिंग से जुड़ी आशंकाएं

अनिश्चित सफलता: सबसे बड़ी चुनौती इसकी सफलता दर है। दुनियाभर में किए गए प्रयोगों में यह तकनीक केवल 30-40% मामलों में ही प्रभावी साबित हुई है। यदि बादलों में नमी कम है या हवा बहुत तेज़ है, तो प्रयास असफल हो जाता है।

पर्यावरणीय प्रभाव: सिल्वर आयोडाइड जैसे रासायनिक तत्वों के लगातार प्रयोग से मिट्टी और जलस्रोतों में रासायनिक अवशेष जमा हो सकते हैं, जो पर्यावरण के लिए खतरा बन सकते हैं।

प्रदूषण, यातायात अनुशासन और पर्यावरण: सिंगापुर-जापान से सीख लेकर अपनाएं स्मार्ट तकनीक, बढ़ाएं जीवन गुणवत्ता

-स्मार्ट तकनीक से बदलेगा भारत का ट्रैफिक भविष्य

भारत के शहर आज तेज़ी से बढ़ रहे हैं — ऊँची-ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कों और बढ़ती आबादी के साथ हमारी शहरी ज़िंदगी लगातार बदल रही है। लेकिन इसी विकास के बीच एक गंभीर चुनौती भी उभर रही है — यातायात अव्यवस्था और प्रदूषण। जाम में फँसी गाड़ियाँ, हॉर्न का शोर, धुएँ से भरी हवा और पैदल यात्रियों के लिए असुरक्षित सड़कों ने हमारे शहरों की जीवन गुणवत्ता को गहराई से प्रभावित किया है। परिवहन व्यवस्था किसी भी शहर की जीवन-रेखा होती है। यह न केवल लोगों को जोड़ती है, बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और समाज की संरचना पर भी सीधा असर डालती है। यदि परिवहन व्यवस्था अव्यवस्थित हो, तो विकास रुक जाता है, जीवन दूभर हो जाता है और प्रदूषण तेजी से बढ़ता है। इसलिए आज के दौर में यह ज़रूरी है कि हम स्मार्ट, हरित और अनुशासित यातायात प्रणाली की ओर कदम बढ़ाएँ।

यातायात अनुशासन का अर्थ और महत्त्व

यातायात अनुशासन का सीधा अर्थ है — सड़क पर नियमों का पालन। यह केवल गाड़ियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पैदल यात्री, साइकिल चालक, ऑटो चालक, बस, टैक्सी, ट्रक — सभी शामिल हैं। अनुशासन का पालन करने से: दुर्घटनाएँ घटती हैं, सड़कें सुचारु रूप से चलती हैं, प्रदूषण में कमी आती है, और लोगों का समय और ऊर्जा बचती है। कई बार लोग सोचते हैं कि ट्रैफिक नियम केवल पुलिस के डर से मानने होते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि यातायात अनुशासन सामाजिक ज़िम्मेदारी है। जब हर व्यक्ति अपनी भूमिका को समझेगा, तभी शहर में व्यवस्था कायम हो सकेगी।

भारतीय शहरों की स्थिति

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई या कोलकाता — सभी महानगरों में एक समान समस्या है: जाम, धुआँ और अव्यवस्था।

सड़कें अक्सर भीड़ से भरी रहती हैं, ट्रैफिक सिग्नल का पालन कम होता है, और वाहन चालकों की लापरवाही से रोज़ाना सैकड़ों दुर्घटनाएँ होती हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.5 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में मौतें होती हैं। इनमें अधिकांश घटनाएँ तेज़ रफ़्तार, शराब पीकर वाहन चलाने, सीट बेल्ट या हेलमेट न लगाने जैसी लापरवाहियों के कारण होती हैं। दूसरी ओर, बढ़ते वाहनों से निकलने वाला धुआँ शहरों की हवा को ज़हरीला बना रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर शामिल हैं। यह प्रदूषण केवल साँस लेने की दिक्कत ही नहीं पैदा करता, बल्कि दिल, फेफड़े और दिमाग पर भी बुरा असर डालता है।

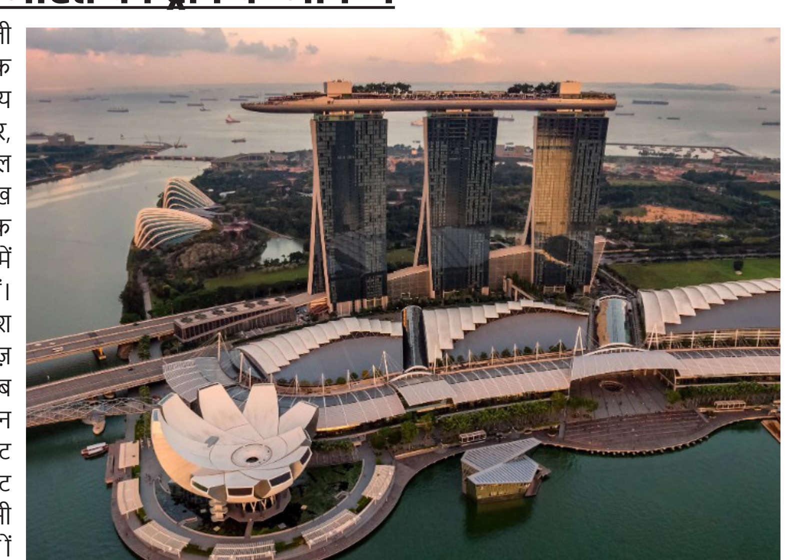

यातायात और पर्यावरण का गहरा रिश्ता

परिवहन व्यवस्था और पर्यावरण का रिश्ता बहुत गहरा है। हर दिन सड़कों पर बढ़ती गाड़ियों से निकलने वाला कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर (PM2.5) हवा को दूषित कर रहा है। इसके अलावा, वाहनों की आवाज़ से ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ रहा है। लगातार जाम में इंजन चालू रहने से ईंधन की बर्बादी होती है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि अर्थव्यवस्था पर भी बोझ डालती है। यदि यातायात अनुशासित हो, सिग्नल पर गाड़ियाँ बिना ज़रूरत इंजन चालू न रखें, लेन अनुशासन अपनाया जाए और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़े — तो प्रदूषण में काफी कमी लाई जा सकती है।

सिंगापुर और जापान से सीख

जब हम स्मार्ट यातायात प्रबंधन की बात करते हैं, तो सिंगापुर और जापान का उदाहरण सबसे आगे आता है। इन देशों ने दिखाया है कि अनुशासन और तकनीक मिलकर कैसे एक स्वच्छ, व्यवस्थित और सुरक्षित शहर बना सकते हैं।

सिंगापुर का उदाहरण

सिंगापुर में ट्रैफिक व्यवस्था अत्यंत अनुशासित और स्मार्ट है। वहाँ हर वाहन पर इलेक्ट्रॉनिक रोड प्राइसिंग (ERP) प्रणाली है। जब कोई वाहन व्यस्त क्षेत्र में प्रवेश करता है, तो उसके खाते से स्वतः शुल्क कट जाता है। इससे लोग ज़रूरत से ज़्यादा गाड़ी चलाने से बचते हैं। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम इतना सशक्त है कि नागरिकों को निजी वाहन की आवश्यकता बहुत कम पड़ती है। सड़क कैमरे, सेंसर और AI-आधारित ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम सड़कों पर हर हरकत पर नज़र रखते हैं।

जापान का उदाहरण

जापान में यातायात अनुशासन सामाजिक संस्कृति का हिस्सा है। वहाँ पैदल यात्री भी लाल सिग्नल पर रुकते हैं, चाहे सड़क खाली क्यों न हो। ट्रेनों, बसों और टैक्सियों की समय-पालन संस्कृति प्रसिद्ध है — मिनटों की देरी पर भी माफ़ी मांगी जाती है। जापान ने इलेक्ट्रिक वाहन, हाइड्रोजन बसें, और साइकिलिंग लेन जैसी नीतियों से प्रदूषण को नियंत्रित किया है। भारत यदि इन मॉडलों से प्रेरणा लेकर अपने शहरों में तकनीक और अनुशासन का संगम करे, तो आने वाले दशक में हमारे महानगर भी दुनिया के सबसे व्यवस्थित शहरों में शामिल हो सकते हैं।

स्मार्ट तकनीक का उपयोग

स्मार्ट तकनीक आज शहरी परिवहन सुधार का मुख्य आधार बन चुकी है। भारत के कई शहरों — जैसे दिल्ली, पुणे, भोपाल, अहमदाबाद और इंदौर — में स्मार्ट ट्रैफिक लाइट्स और सेंसर बेस्ड ट्रैफिक कंट्रोल की शुरुआत हुई है।

इनके अलावा कुछ अन्य तकनीकी उपाय हैं:

इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS): कैमरों और सेंसर की मदद से रीयल-टाइम ट्रैफिक डेटा इकट्ठा किया जाता है, जिससे सिग्नलों का समय स्वतः समायोजित होता है।

स्मार्ट पार्किंग सिस्टम: मोबाइल ऐप से यह पता लगाया जा सकता है कि कहाँ पार्किंग खाली है। इससे अनावश्यक घूमने से जाम और ईंधन की बर्बादी घटती है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट ट्रैकिंग ऐप: बस, मेट्रो या ऑटो की वास्तविक स्थिति बताने वाले ऐप से यात्रियों का समय बचता है।

ई-वाहन और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर: इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करके पेट्रोल-डीज़ल पर निर्भरता घटाई जा सकती है।

हरित परिवहन की दिशा में कदम

भारत में अब हरित परिवहन की दिशा में कई प्रयास शुरू हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा का विस्तार — 69.50 लाख नए पात्रों को मिला लाभ

-"गिव अप अभियान" से बदला चेहरा — 42 लाख अपात्र हटे, 69.50 लाख नए पात्रों को मिला खाद्य सुरक्षा का अधिकार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश का कोई भी पात्र परिवार खाद्य सुरक्षा से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने सामाजिक न्याय और पारदर्शिता को साकार करने की दिशा में अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की है। प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीमा निर्धारित है। यह सीमा पूर्ण हो जाने के कारण नए पात्र व्यक्तियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग ने यह सुनिश्चित किया कि पात्र हकदारों को खाद्य सुरक्षा का अधिकार मिले। इसी दिशा में अपात्र लाभार्थियों को सूची से हटाने और नए पात्र लोगों को जोड़ने का व्यापक कार्य किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा पोर्टल को पुनः शुरू किया। इसके बाद से अब तक लगभग 69 लाख 50 हजार नए पात्र लाभार्थियों को एनएफएसए में जोड़ा जा चुका है। यह प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा उपलब्धियों में से एक है, जिससे वंचित वर्गों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है।

'गिव अप अभियान' बना NFSA विस्तार का सशक्त साधन

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ "गिव अप अभियान" इस ऐतिहासिक उपलब्धि में प्रमुख रूप से सहायक सिद्ध हुआ है। 1 नवम्बर 2024 को आरंभ हुए इस अभियान का उद्देश्य अपात्र लाभार्थियों को सूची से बाहर कर पात्र वंचितों को लाभ दिलाना था। प्रदेशभर में 41.95 लाख से अधिक अपात्र लोगों द्वारा स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया गया। साथ ही, 27 लाख से अधिक व्यक्ति ई-केवाईसी नहीं करवाने के कारण स्वतः सूची से बाहर हो गए, जिससे नए पात्र लाभार्थियों के लिए स्थान उपलब्ध हुआ। यह अभियान अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री की बजट घोषणा में 10 लाख नए लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने का लक्ष्य तय किया गया था, जिसे अल्प समय में ही पूरा कर लिया गया।

सरल प्रक्रिया, पारदर्शी वितरण

राज्य सरकार द्वारा पात्र वंचितों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब जिला कलेक्टर को भी एनएफएसए सूची में नए लाभार्थियों को सम्मिलित करने का अधिकार दिया गया है। साथ ही, सक्षम लाभार्थी www.food.rajasthan.gov.in पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपना नाम सूची से हटवा सकते हैं। इससे पारदर्शिता और न्यायसंगतता सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री की इस पहल से पात्र वंचितों को न केवल खाद्य सुरक्षा प्राप्त हो रही है, बल्कि उन्हें प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति व्यक्ति 5 किलो गेहूं, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना में 450 रुपये की दर से प्रतिवर्ष 12 गैस सिलेंडर, मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में 5 लाख रुपये का निशुल्क बीमा और मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में निशुल्क चिकित्सा सुविधा जैसी अन्य योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो रहा है।

'सशक्त राजस्थान-समृद्ध राजस्थान' की दिशा में ऐतिहासिक कदम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी नीतियों के चलते राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का यह विस्तार न केवल राज्य की प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और समान अवसर की भावना को साकार करने वाला ऐतिहासिक कदम है। राजस्थान सरकार की यह पहल 'आपणो अग्रणी राजस्थान' के संकल्प को मूर्त रूप दे रही है।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया एसआईआर का निरीक्षण

-बीएलओ की हाउस-टू-हाउस विजिट एवं मैपिंग कार्य की ली जानकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के पहले दिन बारां जिला मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ के हाउस-टू-हाउस विजिट, गणना प्रपत्र वितरण एवं बीएलओ एप में मतदाताओं की मैपिंग की स्थिति का जायजा लिया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने गजनपुरा में भाग संख्या 3, बमूलिया में भाग संख्या 81 तथा नटराज नगर में भाग संख्या 36 का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद बीएलओ राकेश कुमार बैरवा, प्रीतम शर्मा एवं सोनू कुमार मोरवाल से कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली और मतदाताओं से भी संवाद किया।

निरीक्षण के दौरान मतदाताओं ने अवगत कराया कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में उनके नाम शामिल नहीं हैं जबकि वे वर्तमान में वहीं निवास कर रहे हैं। इससे नई बसी कॉलोनियों में मतदाताओं की मैपिंग में कठिनाई आ रही है। बीएलओ ने भी बताया कि कई मतदाता घर पर उपस्थित नहीं मिल रहे हैं, जिससे फार्म वितरण और मैपिंग प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

इस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता से यह जानकारी ली जाए कि वह पूर्व में कहां निवास करता था। यदि उसका पुराना ईपिक नंबर उपलब्ध है तो उसके आधार पर नाम तलाश कर मैपिंग की जाए। जिन मतदाताओं का ईपिक नंबर नहीं है, उनके पुराने निवास स्थान की जानकारी लेकर वर्ष 2002 की मतदाता सूची से नाम ढूंढा जाए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की मैपिंग नहीं हो पाई है, उनसे उनके या उनके माता-पिता के वर्ष 2002 में निवास स्थान की जानकारी लेकर मैपिंग सुनिश्चित की जाए।

महाजन ने निर्देश दिए कि गणना प्रपत्रों का वितरण बढ़ाया जाए और अर्हता तिथि 1 जनवरी, 2026 के आधार पर फॉर्म-6 एडवांस भी साथ में भरवाए जाएं। जिन लोगों के नाम वर्ष 2002 की सूची में नहीं मिल रहे हैं और बीएलओ ऐप पर मैपिंग नहीं हो पा रही है, उनसे तत्काल दस्तावेज नहीं लिए जाएं, लेकिन नोटिस जारी कर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एसडीएम) को निर्देशित किया कि बीएलओ ऐप पर शत-प्रतिशत मैपिंग का कार्य पूरा किया जाए। फील्ड में फार्म वितरण को गति दी जाए तथा इस कार्य में वॉलंटियर्स की सहायता ली जाए। प्रत्येक ऐसे मतदान केंद्र जहां मैपिंग कम है, वहां दो प्रशिक्षित वॉलंटियर्स लगाए जाएं जो वर्ष 2002 की सूची से नाम तलाशने में सहयोग करें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन मतदान केंद्रों पर बीएलए नियुक्त नहीं हैं, वहां संबंधित राजनीतिक दलों से समन्वय कर शीघ्र बीएलए नियुक्त किए जाएं और उनका प्रशिक्षण 5 नवम्बर तक पूर्ण कर लिया जाए। बीएलए गणना प्रपत्रों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन भरवाने में बीएलओ की सहायता करेंगे। ग्राम पंचायत एवं शहरी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार हेल्प डेस्क स्थापित कर मतदाताओं को एसआईआर कार्यक्रम संबंधी जानकारी दी जाए।

राज्यपाल ने गुरु नानक जयंती पर शुभकामनाएं दी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरु नानक जयंती (5 नवम्बर) पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल बागडे ने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक जी का समग्र जीवन एकता और परस्पर सद्भाव की भारतीय संस्कृति को समर्पित था। गुरुग्रंथ के रूप में उन्होंने सभी धर्मों के महान ज्ञान को आचरण में उतारने का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि गुरु नानक जयंती सामाजिक न्याय के लिए की गयी उनकी निस्वार्थ सेवा को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का पावन प्रकाश पर्व है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय एकात्मता" संगोष्ठी का किया उद्घाटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में "राष्ट्रीय एकात्मता : विविधता में एक चेतना" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने संगोष्ठी के अंतर्गत जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र अनेक भाषा, संस्कृति, मतों, परंपराओं से मिलकर बनता है। राष्ट्र की एक सीमा होती है। राष्ट्र में उस देश का नागरिक रहता है। कोई दूसरे देश का नागरिक आता है तो उसे उस देश की नागरिकता लेनी पड़ती है। संगठित जनसमुदाय, निश्चित भूभाग, संस्कृति, परंपरा, एकता की भावना हमें एक सूत्र में बांधती है। देश के नागरिकों में देश के मूल्यों, आदर्शों, मातृभूमि, समुदाय के प्रति निष्ठा और प्रेम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एकता की भावना सिर्फ बातों में नहीं व्यक्ति के कर्मों में भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश जब बनता है तब एक देश से दूसरा देश बन जाता है। कारण अलग-अलग होते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे विघटन, हमारी गरीबी, हमारे एकसंघ नहीं होने का लाभ उठाकर अंग्रेजों ने देश कर अतिक्रमण कर लिया। वह हमने अंग्रेजों से वापस लिया। भारत से अनेक देश बने अफगानिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान और बांग्लादेश। एक राष्ट्र विकसित बनता है जब नागरिक एकजुट होकर देशप्रेम के साथ अपना सर्वस्व अर्पण करते हैं। नागरिक अपनी शक्ति, बुद्धि, त्याग, आर्थिक स्वावलंबन से देश को विकसित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से हैं। पहले गांव में कच्चे मकान होते थे जो अब पक्के बन गए हैं क्योंकि लोगों के पास पैसा आया है। देश की अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत हमारी संस्कृति का मूल है। राम का नाम सभी भाषाओं में है। भजन - कीर्तन, व्याख्यान, भाषण, शिक्षण अलग-अलग भाषाओं में होता है मगर देवधर्म सबका एक ही है। एक ही गणेशजी की आरती अनेक भाषाओं में होती है मगर सबका भाव एक ही होता है। अनेक भाषा, खान-पान, वेशभूषा अलग-अलग होने के बावजूद हम सब एक हैं। हमारी संस्कृति ' भाषा अनेक - भाव एक', ' पथ अनेक - गंतव्य एक' की है।

जेडीए की बड़ी कार्यवाही: अवैध निर्माणों पर कसी लगाम, तीन मंजिला भवन सील

-दस बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने शहर में अवैध निर्माण एवं कॉलोनीकरण के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को विभिन्न जोनों में प्रभावी कार्रवाई की। उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी के निर्देशन में प्रवर्तन प्रकोष्ठ की टीमों ने जोन-5, जोन-4 और जोन-10 में अवैध निर्माणों पर कार्यवाही करते हुए कई स्थानों को अतिक्रमण मुक्त करवाया। जोन-5 में गोविन्दपुरी, हवा सड़क के पास प्लॉट नं. 10बी पर बिना अनुमति और स्वीकृति के सेटबैक कवर कर बनाए गए तीन मंजिला अवैध भवन को सील किया गया। संबंधित निर्माणकर्ता को पूर्व में जेडीए एक्ट की धारा 32 एवं 33 के अंतर्गत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया था, लेकिन पालन न करने पर धारा 34(क) के तहत कार्रवाई करते हुए आज भवन के द्वार, गेट एवं खिड़कियों को ईंटों की दीवार चुनवाकर सील कर दिया गया। वहीं जोन-4 के सांगानेर क्षेत्र में एक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के पास स्थित सरकारी आम रास्ते की भूमि पर बने 6 फीट ऊँची और 100 फीट लंबी अवैध सीमेन्ट ब्लॉक की दीवार को जेसीबी मशीन की सहायता से ध्वस्त कर रास्ता पुनः खोल दिया गया। इससे स्थानीय निवासियों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिली। जोन-10 के ईकोलॉजिकल जोन में तीन नई अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया गया। रामगढ़ रोड, पशु हटवाड़ा के पास, कुण्दाला की ढाणी में करीब तीन बीघा भूमि पर बनाई गई कॉलोनी, नारदपुरा मीणा की ढाणी में दो बीघा भूमि पर बसाई जा रही कॉलोनी और नाई की थड़ी, चावण्ड का मंड क्षेत्र में पाँच बीघा भूमि पर "जिंदल विहार" नाम से विकसित की जा रही कॉलोनी को पूरी तरह नष्ट किया गया। इसके अलावा ग्राम बगराना के रीवर वैली कॉलोनी क्षेत्र में निर्माणाधीन आठ अवैध विला एवं बाउंड्रीवाल को भी ध्वस्त किया गया। इन सभी कार्रवाइयों को जेडीए प्रवर्तन दल, राजस्व व तकनीकी स्टाफ की निशादेही में जेसीबी मशीनों और मजदूरों की सहायता से अंजाम दिया गया। प्रवर्तन प्रकोष्ठ द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024 में 383 और वर्ष 2025 में अब तक 323 अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया जा चुका है, इस प्रकार कुल 706 अवैध कॉलोनीकरण के प्रयासों को विफल किया गया है। जयपुर विकास प्राधिकरण की इस सख्त कार्रवाई से शहर में अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनीकरण पर लगाम लगाने का स्पष्ट संदेश गया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कोई भी नरमी नहीं बरती जाएगी।

सीकर रोड सड़क हादसे पर चिकित्सा मंत्री ने व्यक्त की शोक संवेदना

-एसएमएस अस्पताल पहुंचकर लिया स्थिति का जायजा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को सीकर रोड पर हरमाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में दिवंगत हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही, हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे और हादसे के मृतकों तथा घायलों के बारे में जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन से पूरी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को त्वरित एवं बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, कांवटिया एवं अन्य अस्पतालों में भर्ती घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि घायलों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इससे पहले घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री ने दूरभाष पर वार्ता कर सवाई मानसिंह अस्पताल एवं कांवटिया अस्पताल प्रशासन को अलर्ट करते हुए घायलों के उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों का जीवन बचाने के लिए उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं। चिकित्सा मंत्री ने सवाई मानसिंह अस्पताल में हादसे को लेकर जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत चर्चा भी की। इस दौरान खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, उद्योग राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक गोपाल शर्मा, संभागीय आयुक्त श्रीमती पूनम, पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल, जिला कलेक्टर जितेन्द्र सोनी, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. बीएल यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026(ग्राम) आधुनिक कृषि की दिशा में राजस्थान की बड़ी पहल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल की अध्यक्षता में मंगलवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 की अंतर विभागीय कोर ग्रुप और FICCI अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्राम 2026 के लिए संबंधित विभागों द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त करने, कार्यात्मक समितियों का गठन, समितियों के अधिकारियों का विभागवार नामांकन, अन्य विभागों की भूमिका और जिम्मेदारियों, विभागीय प्रदर्शनियों, सेमिनारों एवं बैठकों की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी ने बताया कि सभी विभाग ग्राम 2026 के आयोजन में अपनी अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण सतर्कता से समय पर पूरा करें एवं कार्यक्रम में आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 का आयोजन भव्य रूप से जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर जेईसीसी सीतापुरा, जयपुर में किया जा रहा है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और निवेशकों को एक सांझा मंच पर ला कर कृषि क्षेत्र में नवाचार, तकनीकी की प्रगति और निवेश को प्रोत्साहित करना है। शासन सचिव ने बताया कि ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट में प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों से 50 हजार किसान भाग लेंगे। ग्राम 2026 में ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र में नवीन तकनीकी आधारित कृषि प्रणाली, मूल्य संवर्धन और निर्यातोन्मुख उत्पादन को बढ़ावा देना है इसके तहत किसानों को नवीनतम कृषि उपकरणों, फसल प्रबंधन और कृषि विपणन से संबंधित संपूर्ण जानकारियां साझा की जायेगी। राजस्थान के लिए कृषि क्षेत्र में उपयोगी विश्व स्तरीय तकनीकी हस्तानांतरण हेतु विदेशों में रोड शो आयोजित किये जायेंगे। 'किसान सशक्तीकरण ही ग्रामीण विकास की पूंजी है'।

आमजन व किसानों की आवाज़ बने कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा

-प्रशासन को चेताया –हक़ की लड़ाई हर हाल में लड़ी जाएगी

जयपुर/शाहपुरा (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं युवा किसान नेता कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा शनिवार को शाहपुरा चौपड़ स्थित हवेली में आमजन और किसानों की समस्याएँ सुनने पहुँचे। बड़ी संख्या में लोग अपनी फरियादें लेकर उपस्थित हुए। इस दौरान कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और कई मुद्दों का समाधान मौके पर ही करवा दिया। जिन समस्याओं का तत्काल निवारण संभव नहीं था, उनके लिए उन्होंने प्रशासन से बातचीत कर समाधान करवाएंगे। और हर स्तर पर संघर्ष करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन और किसानों की समस्याएँ मेरी अपनी समस्याएँ हैं। इनके हक़ के लिए सड़क से लेकर सदन तक आवाज़ बुलंद की जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा यदि जनता की परेशानियों की अनदेखी हुई तो आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा। इस दौरान हवेली में मौजूद आमजन और किसान उनके इस संघर्षशील तेवर से गदगद नज़र आए और ज़ोरदार समर्थन के साथ आभार व्यक्त किया।

सड़क सुरक्षा को लेकर निगम ग्रेटर सतर्क:

200 फीट बाईपास से दादी का फाटक तक अवैध अतिक्रमणों पर चला बुलडोजर

-10 हजार रूपये का किया कैरिंग चार्ज, 04 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा एवं उपायुक्त मुरलीपुरा जोन के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में 200 फीट बाईपास से लोहा मण्डी तक तथा हर्ष होटल से 05 नंबर पुलिया, मुख्य दिल्ली बाईपास न्यू लोहा मण्डी तिराहे से पेट्रोल पम्प तक रोड के दोनों तरफ, न्यू लोहा मण्डी तिराहे से 5 नंबर पुलिया तक एवं 5 नंबर पुलिया से दादी का फाटक तक आवगमन में बाधा उत्पन्न कर रहे 300 से अधिक स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया गया 10 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 04 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में 200 फीट बाईपास से लोहा मण्डी तक तथा हर्ष होटल से 05 नंबर पुलिया तक मुख्य दिल्ली बाईपास न्यू लोहा मण्डी तिराहे से पेट्रोल पम्प तक रोड के दोनों तरफ, न्यू लोहा मण्डी तिराहे से 5 नंबर पुलिया तक एवं 5 नंबर पुलिया से दादी का फाटक तक आवगमन में बाधा उत्पन्न कर रहे 300 से अधिक स्थायी एवं अस्थायी हटवाया गया। गौरतलब है कि हाल ही में सीकर रोड घटित हरमाड़ा भीषण सड़क हादसे के मध्यनजर लगभग 300 से भी अधिक स्थायी/अस्थायी अतिक्रमण हटाये गये। 10 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 04 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

प्रदेश में 5 नवम्बर से सभी चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण

-जांचे जाएंगे इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशों पर प्रदेशभर में 5 नवम्बर से 7 नवम्बर तक चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण किया जाएगा। सघन निरीक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर चिकित्सा संस्थान में इण्डियन पब्लिक हैल्थ स्टेण्डर्ड पूरे हों, जिन संस्थानों में यह स्टेण्डर्ड पूरे नहीं होंगे, वहां मिशन मोड में इन स्टेण्डर्ड को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि 5 से 7 नवम्बर तक सभी संयुक्त निदेशक जोन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। रिपोर्ट के आधार पर मानक पूरे नहीं करने वाले चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक सुधार के लिए कदम उठाए जाएंगे।

टीकाकरण में पिछड़ने वाले आरसीएचओ को नोटिस

प्रमुख शासन सचिव ने विभिन्न स्वास्थ्य मानकों की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिले हर हाल में टीकाकरण के निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करें। उन्होंने निर्धारित लक्ष्य से पीछे रहने वाले सभी आरसीएचओ को 17 सीसीए के नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

एम्बुलेंस सेवाओं का करें नियमित निरीक्षण, कमियां पाई जाने पर 2 करोड़ से ज्यादा पैनल्टी लगाई

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि प्रदेशभर में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं का भी सघन निरीक्षण किया जाए, जहां भी एम्बुलेंस संचालन में कमियां पाई जा रही हैं, वहां नियमानुसार पैनल्टी लगाने के साथ ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में एम्बुलेंस सेवाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करें। यह सुनिश्चित हो कि एम्बुलेंस संचालन योग्य हों, उनमें सभी जीवन रक्षक उपकरण उपलब्ध हों और क्रियाशील स्थिति में हों। उन्होंने बताया कि अप्रेल माह से अगस्त माह तक एम्बुलेंस सेवाओं के संचालन में कमियां पाई जाने पर 2 करोड़ रूपए से ज्यादा की पैनल्टी लगाई गई है। बैठक में राज हेल्थ पोर्टल पर नियमित डेटा अपडेट करने, एनसीडी स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाने, यूडीआईडी के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा की गई।

एक साल बे मिसाल वतन फाउंडेशन द्वारा संचालित मोहब्बत की रसोई ने किया एक वर्ष पूरा

-प्रथम वर्ष गांठ पर स्पेशल डाइटके रुप में किया भोजन का वितरण से

सवाई मधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वतन फाउंडेशन द्वारा संचालित निःशुल्क मोहब्बत की रसोई का एक साल बे मिसाल के साथ सोमवार 3 नवंबर को एक वर्ष पूरा हो गया। प्रथम वर्ष गांठ पर सोमवार को रेलवे स्टेशन के सामने लगभग 500 जरूरतमंद लगों को स्पेशल डाइट के रूप में भोजन का निशुल्क वितरण किया गया।इस मौके पर टीम की महिला विंग के साथ ही सभी साथी मौजूद रहे। मोहब्बत की रसोई की शुरुआत 4 नवंबर 2024 सोमवार को वतन फाउंडेशन के संस्थापक हुसैन आर्मी और उनकी हमसफर रूमा नाज़ ने अपनी शादी की सालगिरह पर एक अनूठी पहल करते हुए मोहब्बत की रसोई का शुभारंभ किया था तब से अनवरत हर सोमवार इस निःशुल्क मोहब्बत की रसोई का संचालन किया जा रहा है। रेलवे कर्मचारी रूमा नाज़ जो वर्तमान में गंगापुर सिटी में कार्यरत है,हर सोमवार को अवकाश लेती है और अपने निवास पर लगभग 400 से 500लोगों का खाना बनाती है, फिर शाम को 5:30 बजे से रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में मोहब्बत की रसोई से जरूरतमंदों को खाना खिलाया जाता है। इस प्रकार मोहब्बत की रसोई को हर सोमवार लगातार चलते हुए 3 नवंबर को 1 वर्ष पूर्ण होने पर मोहब्बत की रसोई में स्पेशल डाइट दाल चावल सब्जी रायता रोटी सलाद मिठाई जरूरतमंदों के लिए बना कर खिलाया गया। रूमा नाज़ ने बताया, अकेले ही चले थे जान वे मंजिल लोग मिलते गए और करवां बनता गया, मोहब्बत की रसोई से आमजन इतना प्रभावित हुआ की हर सोमवार को किसी ने किसी साथी के सहयोग से मोहब्बत तैयार होती गई। वतन फाउंडेशन के मुखिया हुसैन आर्मी ने बताया कि मोहब्बत के शहर की मिट्टी में मोहब्बत की एक अलग ही खुशबू है जहां लोग धर्म जाति समुदाय संगठन से ऊपर उठकर इंसानियत और मानवता के लिए आगे रहते है। उन्होंने बताया कि मोहब्बत की रसोई एक त्यौहार है त्यौहार का जैसे इंतजार रहता है ऐसे ही मोहब्बत की रसोई का इंतजार होता है, और जरूरतमंद लोग निशुल्क भोजन कर शहर को दुआएं दते हैं। हुसैन आर्मी व रूमा नाज ने बताया कि वतन फाउंडेशन टीम ने आज से ही मिशन 365 पर काम शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि टीम ने तय किया है कि मोहब्बत के शहर में कोई भूखा न सोए इस लिए ये रसोई हर सोमवार नहीं हर दिन चलाई जाएगी,इसके लिए 365 लोगो को टीम से जोड़ कर मोहब्बत की रसोई का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। मोहब्बत की रसोई की प्रथम वर्ष गांठ के मौके पर टीम के मुखिया हुसैन आर्मी, संरक्षक सेवानिवृत प्रिंसीपल रजनी लक्स्कार,प्रोफेसर राम लाल,राजेश शर्मा, के अलावा सुनीता मधुकर, सुमन शर्मा,रूमा नाज, अंतिमा शर्मा, सबनम कैलाश सिसोदिया, पार्षद संजय बैरवा, मुकेश जैन जितेन्द्र कुमार शर्मा,पत्रकार जितेन्द्र कुमार जैन टीपू सुल्तान, विष्णु मीना, विमल पांडे,अली हुसैन सहित कई शुभचिंतक मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी भाया के पक्ष में रंधावा, चांदना सहित कई नेताओं ने किया अंता विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जनसम्पर्क

-भाजपा की पर्ची सरकार दिल्ली से होती है संचालित- डोटासरा

बारां (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जनसम्पर्क करने के लिए बारां पधारे हुए है। मंगलवार को दोनों नेताओं द्वारा कई गांवों में जाकर मतदाताओं को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल, पूर्व मंत्री एवं विधायक अशोक चांदना, पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की ममता भूपेश, केशोरायपाटन विधायक सी.एल.प्रेमी, सूरतगढ विधायक डूंगरराम गेदर, पूर्व मंत्री एवं विधायक बांसवाडा अर्जुन बामनिया, पूर्व विधायक करणसिंह राठौड, निर्मला सहरिया, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा, हंसराज मीणा उदपुरिया ने भी कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में मतदान किए जाने को लेकर विभिन्न गांवों में जाकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया। प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने अपने सम्बोधन में कहा कि भाजपा के पास विजन नही है। अपने स्वविवेक से निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री स्वतंत्र नही है। यहां पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आए और उन्होनें कहा कि भाजपा प्रत्याशी जीत गया तो इसे मंत्री बनाया जा सकता है। भाजपा की पर्ची सरकार दिल्ली से संचालित हो रही है। पूर्व मंत्री एवं विधायक अशोक चांदना ने कहा कि विकास कार्यो में कांग्रेस पार्टी द्वारा करवाए गए विकास कार्यो से कोई नही ठकरा सकता। इतना बडा देश होने के बावजूद कोई भी भूखा नही सोता है। खाद्य सुरक्षा योजना एवं महात्मा गांधी रोजगार गारण्टी योजना कांग्रेस पार्टी की ही देन है। 25 लाख रूपए तक मुफ्त ईलाज के लिए मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना में निःशुल्क ईलाज का प्रावधान कांग्रेस ने किया। कांग्रेस की योजनाओं के मुकाबले में भाजपा बता दे कि जिससे आम लोगों को लाभ मिल रहा है। भाजपा के पास विकास नही है, योजनाएं इनके पास नही है तो वोट मांगने का अधिकार भी इनको नही है। यह केवल हिन्द-मुस्लिम के नाम पर चुनाव लडते है।

चुनाव जनबल और धनबल के बीच मोरपाल के साथ जनबल- वसुन्धरा राजे

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा है कि अन्ता विधानसभा क्षेत्र का यह उपचुनाव जनबल और धनबल के बीच है। एक तरफ़ जनबल मतलब जनता की ताक़त है,तो दूसरी तरफ़ धनबल अर्थात पैसों की ताक़त है।जनबल हमारे साथ है।इसलिए तय मानिये जनबल जीतेगा और धनबल हारेगा। वे मंगलवार को बारां में मीडिया से बात-चीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि यहाँ की माँग के अनुरूप ही भाजपा ने मोरपाल सुमन को प्रत्याशी बनाया है,जो पूरी तरह स्थानीय है। मोरपाल सुमन की पत्नी का पीहर मांगरोल है, इसीलिए वह भी स्थानीय है। मोरपाल जी अन्य प्रत्याशियों की तरह दूसरे विधानसभा क्षेत्र के नहीं हैं। इसलिए मतदाताओं पर पहला हक मोरपाल का है। श्रीमती राजे ने कहा कि ये चुनाव मोरपाल नहीं,ये चुनाव अन्ता की जनता लड़ रही हैं।मोरपाल की जीत ही अन्ता विधानसभा क्षेत्र की जीत होगी।उन्होंने कहा कि यहाँ के लोगों को एक वोट में तीन जनप्रतिनिधि मिल रहें है। मोरपाल, मैं और सांसद दुष्यंत सिंह। इसके अलावा विकास के लिए भाजपा की सरकार। इसके बाद वे सीसवाली व अन्ता पहुची जहाँ उन्होंने सीसवाली मंडल और अन्ता शहर मंडल के कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उनके साथ सांसद दुष्यंत सिंह थे।

विकसित भारत 2047, आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी और बिरसा मुंडा पर निबंध प्रतियोगितायें व व्याख्यान हुए आयोजित

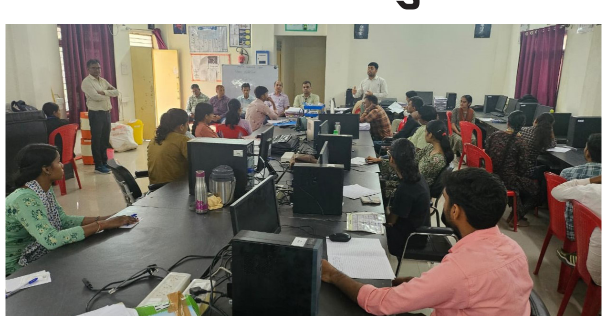

बारां (रॉयल पत्रिका)। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालय बारां में चार नवंबर को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विकसित भारत 2047, आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी के साथ बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष में एन एस एस इकाइयों द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर भगवान सिंह मीणा ने बताया कि सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया। विद्यार्थियों ने विकसित भारत 2047, आत्मनिर्भर भारत व स्वदेशी और बिरसा मुंडा पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। एन एस एस इकाइयों द्वारा बिरसा मुंडा के जीवन पर आधारित जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा के उपलक्ष में निबंध प्रतियोगिता व व्याख्यान का आयोजन किया गया। बिरसा मुंडा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। प्राचार्य प्रोफेसर भगवान सिंह मीणा, डॉ.शमशाद अली, प्रो सांवराराम, प्रो विश्वनाथ प्रताप सिंह गुर्जर आदि ने बिरसा मुंडा के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके बलिदान से परिचित करवाया। डॉ. रामकेश मीणा ने स्किल डेवलपमेंट एंड ग्रीन ग्रोथ सर्टिफिकेट कोर्स की उपयोगिता के बारे मो विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रो रामकेश मीणा, डॉ. खुशबू नीयरता, प्रो हरिप्रकाश मीणा, प्रो चंदनमल, डॉ. लीनता अरोड़ा, डॉ. हिमानी भाटिया, प्रो शुभांगी जैन, चंद्रशेखर त्यागी इत्यादि मौजूद रहे।

चौमूँ क्षेत्र में नवीन सड़को और नवीनीकरण के कार्य 58.75 करोड़ की लागत से होंगे पूर्ण

-सड़को की टेंडर प्रक्रिया पूरी, जल्द आमजन को मिलेगी राहत -रामलाल शर्मा

चौमूँ (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में नवीन सड़को के निर्माण कार्य के लिए 17 करोड़ रुपए और जीर्ण शीर्ण सड़को के नवीनीकरण सड़को के लिए 41.75 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई थी। जिनकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जिनमे नवीन सड़को में आष्टी कलाँ से लालासर सीमा तक 5.30 किमी के लिए 7 करोड़, हीरा का बास से कुमावतो की ढाणी, बावड़ी गोपीनाथ से लालासर सीमा, गुवारडी से जयसिंहपुरा, रेनवाल रोड से विमलपुरा सड़क, सबलपुरा से रायथल, ढोढ़सर से श्रीराम सामोता के मकान तक, जाटावाली से मानपुरा मचेड़ी सड़क तक 13 किमी के लिए 5 करोड़, दम्बा का बास से हसतेड़ा, लोहरवाड़ा से बेरावाली ढाणी, विमलपुरा से कुमावतो का बाढ, कालाडेरा से रैगरो की ढाणी, सुल्तानपुरा से फतेहपुरा तक, दूतो ढाणी से प्रागपुरा सड़क तक 9.60 किमी के लिए 5 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली थी। नवीनीकरण सड़को में भोपवास मोड़ से नाटाणी वाली तिवारी तक डामर सड़क 3 किमी के लिए 1 करोड़ 5 लाख, चौमूँ रेनवाल सड़क बस स्टैंड मंडा भिंडा से हस्तेडा तक 8 किमी के लिए 10 करोड़ 70 लाख, तिगरिया मोड़ से गोविंदगढ़ वाया चारणवास तक 10.40 किमी के लिए 20 करोड़, नांगल गोविंद से सरगोठ सीमा तक 1.30 किमी हेतु 26.65 लाख रुपए, सिरसा फाटक से रींगस सीमा तक 1 किमी हेतु 20.50 लाख रुपए, बालाजी धर्मकांटा सिंगोंदखुर्द से देवथला सीमा तक 2.20 किमी हेतु 45.10 लाख रुपए, एन.एच.52 आरा स्टैंड से स्याऊ तिराहे धोबलाई तक 1.30 किमी हेतु 26.65 लाख रुपए, धोबलाई नदी से रायसिंह का बास नागलकला तक 1.30 किमी हेतु 26.65 लाख रुपए, विजयसिंहपुरा से चंदवाजी सड़क 2.50 किमी हेतु 51.25 लाख रुपए, इटावा भोपजी पॉवर हाउस से स्याऊ तिराहे धोबलाई तक 3.50 किमी हेतु 73.25 लाख रुपए, इटावा भोपजी से मालियो की ढाणी तक 1.30 किमी हेतु 26.65 लाख रुपए, आलीसर से वाया चारणवास लांबा भवन सीतारामपुरा तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, विमलपुरा से कालाडेरा तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, कानरपुरा से घिनोई तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, घिनोई से दुर्गा का बास तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, आलीसर से दम्बा का बास तक 3.50 किमी हेतु 71.75 लाख रुपए, हस्तेडा सड़क से बागा का बास (आलीसर) तक 1.70 किमी हेतु 35.70 लाख रुपए, आलीसर से कुमावतो की ढाणी तक 1.30 किमी हेतु 26.65 लाख रुपए, सुल्तानपुरा से बाँसा तक 1.70 किमी हेतु 35.70 लाख रुपए, ढण्ड सड़क से जोड़ला की ढाणी (चीथवाड़ी) तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, अजीतगढ़ सड़क से पाल की ढाणी (चीथवाड़ी) तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, सांदरसर से जालिम सिंह का बास तक 2.60 किमी हेतु 53.30 लाख रुपए, जालिम सिंह का बास से धाना का बास तक 1.70 किमी हेतु 35.70 लाख रुपए, भूतेड़ा से हस्तेडा किशनपुरा सड़क तक 1.70 किमी हेतु 35.70 लाख रुपए, कुशलपुरा बांसा से जाटावाली तक 1.70 किमी हेतु 35.70 लाख रुपए, ए/आर कानपुरा से शम्भूपुरा तक और रेनवाल सड़क से गुवारड़ी तक 1.30 किमी हेतु 26.65 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई थी। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में नवीन सड़को के निर्माण कार्य के लिए और जीर्ण शीर्ण सड़को के नवीनीकरण के लिए कुल 58.75 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृति की गई थी, जिनकी टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही संवेदक उक्त सड़को के निर्माण कार्य शुरू कर देंगे, जिससे ग्रामवासियों को आवागमन में काफ़ी सुविधा मिलेगी।

रंगरेज समाज की युवा शक्ति एजाज अली जिलानी को CA बनने पर सम्मानित किया गया

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। रंगरेज समाज पाली की युवा प्रतिभा एजाज अली जिलानी के चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनने पर समाजजनों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत कर साफा एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने नवलखा रोड निवासी एजाज अली पुत्र हाजी रुस्तम अली को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाज के वक्ताओं ने कहा कि एजाज अली ने मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से यह मुकाम हासिल किया है, जो समाज के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में मौजूद समाजजनों ने शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता जताई और कहा कि ऐसे होनहार युवाओं के प्रयासों से समाज का नाम रोशन हो रहा है। कार्यक्रम के अंत में समाज के पदाधिकारियों ने एजाज अली को समाज की ओर से निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान हाजी आबिद अली दातार, हाजी मोहम्मद शरीफ बी एफ, पूर्व पार्षद एवं जिला कांग्रेस महासचिव आमीन अली रंगरेज, हाजी तुराब अली, हाजी रुस्तम अली, अरबाज खान अज्जू, आरिफ अली रंगरेज, हाजी महबूब अली, वक्फ बोर्ड पाली चेयरमैन हाजी सलीम एम डी, रईस अली बी एफ, सलीम मिस्कीन, जावेद जिलानी, यासीन रॉयल, कलीम अख्तर, हाजी अय्यूब अली, फकीर मोहम्मद, आबिद अली, जिलानी, सलीम हबीबी, राजा भाई, अल्ताफ खान, हाजी सोजत सहित दर्जनों समाजबंधु मौजूद रहे।

स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए सजगता और तत्परता से करें कार्य - नवीन महाजन

-राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने उपचुनाव की तैयारियों की बैठक में समीक्षा की

बारां (रॉयल पत्रिका)। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त वातावरण में चुनाव के लिए धरातल स्तर पर सुरक्षा प्रबंधों का बेहतर इंतजाम हो। साथ ही निर्वाचन संबंधी सभी कार्यों को पूरी सतर्कता और समयबद्धता के साथ सम्पादित किया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने मंगलवार को अंता विधानसभा क्षेत्र के 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के तहत मिनी सचिवालय के सभागार में निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की आयोजित बैठक में चुनाव संबंधी कार्यों की समीक्षा की तथा पारदर्शी एवं त्रुटिरहित चुनाव को लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश प्रदान किए। बैठक में आईजी कानून व्यवस्था अनिल कुमार टांक व ओएसडी सीईओ सुरेशचन्द्र भी मौजूद थे। महाजन ने कहा कि संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर मतदान के दौरान विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की लाइव निगरानी के कार्य को मॉक ड्रिल के माध्यम से परखा जाए जिससे इसमें किसी भी प्रकार की समस्या को समय से पहले ही दुरूस्त करते हुए निर्बाध निगरानी रखी जा सके। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की दृष्टि से निर्बाध विद्त आपूर्ति के साथ प्रकाश के पुख्ता बन्दोबस्त सुनिश्चित किए जाए। विशेषकर चारदीवारी विहीन मतदान केन्द्रों पर खासतौर पर सतर्कता बरती जाए। मतदान केन्द्र के आसपास शाम के समय प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था रहे। महाजन ने राजनीतिक दलों व प्रत्याशियों द्वारा रैली, सभाओं आदि के लिए मांगी जाने वाली अनुमति को लेकर भी आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि अनुमति इस प्रकार दी जाए जिससे दो रैलियां एक साथ एक ही स्थान पर आपस में ना टकरा सकें। फील्ड में नियुक्त सुरक्षा बल भी इसे लेकर सतर्क रहे। भयमुक्त वातावरण में मतदान के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के अधिक से अधिक लोगों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्यवाही की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि उपचुनाव में निर्वाचन विभाग द्वारा वितरित की जाने वाली मतदाता पर्चियों का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए। यह मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी में भी कारगर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में स्थापित किए गए इकोफ्रेन्डली मतदान केन्द्रों पर सिंगल यूज प्लास्टिक का किसी भी प्रकार से उपयोग नहीं हो यह पूरी तरह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को मोबाइल फोन जमा करने के कार्य को भी पूरी सतर्कता व सुरक्षा के साथ किया जाए। बैठक में महाजन ने होम वोटिंग, वेबकास्टिंग, मतदाता सूची, मतदान दल गठन, शिकायत प्रबंधन, मतदान बहिष्कार के प्रकरण, वाहन उपलब्धता, क्राउड मैनेजमेंट, प्रशिक्षण, स्वीप, मतगणना केन्द्र की व्यवस्था, पेड न्यूज, निर्वाचन व्यय, अवैध मादक पदार्थों, शस्त्र व धनराशि की जब्ती, मतदान दिवस पर सुरक्षाबलों की तैनातगी, नाका बंदी और वाहन चैकिंग आदि कार्यों के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने उपचुनाव को लेकर अब तक किए गए कार्यों की प्रगति तथा आने वाले दिनों में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा के बारे में मुख्य निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराते हुए कहा कि सभी तैयारियां समयबद्ध और सजगता के साथ पूर्ण की रही है। जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने भी निर्वाचन में सुरक्षा व कानून व्यवस्था के लिए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी भंवरलाल जनागल, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव, एडीएम शाहबाद जब्बर सिंह, एएसपी राजेश चौधरी, आदर्श आचार संहिता प्रकोष्ठ प्रभारी दुर्गाशंकर मीणा सहित सभी प्रकोष्ठों के प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी उपस्थित थे।

सचिव समीक्षा गौतम ने मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं एवं दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह का निरीक्षण किया गया।

सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मौके पर उपस्थित परिवीक्षा एवं कारागृह कल्याण अधिकारी मीना आर्य से पुनर्वास गृह में आवासित लोगों की संख्या, केयरटेकर, रसोईया, चौकीदार, सफाई कमर्चारियों की व्यवस्था, आवासित लोगों को मिलने वाले भोजन, पेयजल की गुणवत्ता, सर्दी के मौसम में रजाई, कम्बल, चादर, गद्दों, हीटर एवं गीजर की उपलब्धता, स्टॉक की स्थिति, पुनर्वास गृह में लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु डॉक्टर की विजिट, लोगों के आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आवासित लोगों की सुरक्षा एवं देखभाल, संस्थान की साफ-सफाई, लोगों के पुनर्वास हेतु किये जा रहे प्रयासों आदि के संबंध में पूछताछ की गई।

निरीक्षण के दौरान पुनर्वास गृह में साफ-सफाई का अभाव पाया गया, गन्दगी के कारण बदबू आ रही थी, किसी भी पलंग पर बेडशीट बिछी हुई नहीं पाई गई, दीवारों पर जाले लगे हुए पाये गये। साथ ही पुनर्वास गृह में कुछ लोग ऐसे पाये गये, जो अपने घर का पता जानते है एवं अपने घर जाने के इच्छुक है, परन्तु उनके पुनर्वास हेतु कोई कदम नहीं उठाये जा रहे है। इस संबंध में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा संस्थान में नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने एवं अपने घर जाने के इच्छुक लोगों के पुनर्वास हेतु उचित कदम उठाये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। निरीक्षण के दौरान पुनर्वास गृह के प्रबंधक वीरसिंह गुर्जर, लिपिक मनीष पंडित, केयरटेकर अभिषेक गुर्जर एवं रूपाराम उपस्थित रहे। साथ ही विधिक सेवा सप्ताह के तहत जिला विधिक चेतना समिति के सदस्यों नंदकिशोर बैरवा एवं बनवारी लाल मीना द्वारा मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर लोगों को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता, नालसा योजनाओं, नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

विद्यार्थी स्वामी केशवानंद गोपाल दास की जिवनी से आगे बढ़ने की ले प्रेरणा - एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति

मोहम्मद अली पठान

चुरु (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय देपालसर रोड़ पर स्थित भिक्षा वृत्ति ओर बाल श्रम से जुड़े बालक बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के प्रयास में प्रबंधक कांस्टेबल धर्मवीर जाखड़ के देखरेख में झुगी झोपड़ीयों के ओर जिले के अनाथ बच्चों को पुलिस विभाग और भामाशाहों के सहयोग से संचालित आपणी पाठशाला में बच्चों को संस्कारित शिक्षा पर मंगलवार को मोटिवेशनल कार्यक्रम आयोजित किया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति जिला अध्यक्ष सीवील राइट सोसायटी चुरु ने बच्चों को अभावों को ताकत बना कर आगे बढ़ने व पढ़ने की सलाह दी तथा कमजोर बच्चों को पढ़ाई के छोटे-छोटे टिप्स बताये, बच्चों ने प्रातः चार बजे उठने और तीन घंटे सुबह घर पर पढ़कर आने का स्वैच्छिक संकल्प लिया। प्रजापति ने स्वामी केशवानंद, स्वामी गोपाल दास और प्रोफेसर घासी राम की जिवनी से बच्चों को सीख लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने एकलव्य, अब्दुल कलाम साहब, जयललिता, इब्राहिम लिंकन के जुनून के किस्से बच्चों को सुनाये ओर उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाला प्रधान ओम प्रकाश बारी ने की ओर आगन्तुक अतिथियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में दिलिप कुमार, गीता, अशोक कुमार, ज़य सिंह, ममता, योगेन्द्र संजय रीना, राम किशन, योगेश कुमार, कृष्ण कुमार, अंकिता आदि ने सहभागिता दी। कार्यक्रम का संचालन सह संस्था प्रधान जितेन्द्र कुमार ने किया।

नगर निगम की लापरवाही से जनता को परेशानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयसिंहपुरा खोर 14 दुकान श्याम नगर मेन रोड पर सीवर लाइन का काम चालू है । नगर निगम ने जगह-जगह खड्डे तो खोद दिए लेकिन उनको वापस भरे नहीं। इस कारण यहां से गुजरने वाली ट्रैक्टर ट्रॉली ओवरलोड भरी हुई थी, पलटने से बाल-बाल बच गई । जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। इन खड्डों के कारण लोगों का आना-जाना बंद हो गया । सभी को परेशानी हो रही है । इन खड्डों को खुला छोड़ने के बारे में यहां पर काम करने वालो से पूछा गया तो उन्होंने बोला कि अभी काम बंद पड़ा है, 5-7 दिन बाद काम चालू होगा । सभी लोगों को आने जाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।

'घूमर फेस्टिवल' 19 नवंबर को डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में

-जिला कलक्टर ने किया पोस्टर का विमोचन

बीकानेर, 3 नवंबर। पर्यटन विभाग द्वारा 19 नवंबर को सायं 6 बजे से डॉ. करणी सिंह स्टेडियम में 'घूमर फेस्टिवल-2025' का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने सोमवार को इसके पोस्टर का विमोचन किया। जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार लोकनृत्य 'घूमर' को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के सभी संभाग मुख्यालयों पर 'घूमर' महोत्सव आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए 12 वर्ष से अधिक आयु की छात्राएं और महिलाएं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। यह आवेदन घूमर डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन (https://ghoomar.rajasthan.gov.in/Website/index.html) के माध्यम से होगा। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक स्कूलों और कॉलेजों, विभिन्न नृत्य समूहों की प्रतिनिधियों, गृहणियों, प्रोफेशनल महिलाओं को भी आवेदन के लिए प्रेरित किया जाए। जिला कलक्टर ने कहा कि 'घूमर' ने राजस्थान को नई पहचान दिलाई है। अधिक से अधिक युवा पीढ़ी तक इसकी पहुंच बने, इसके मद्देनजर यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता के नियम के अनुसार एक ग्रुप में कम से कम बीस महिला प्रतिभागी होंगी। आवेदन करने वाली प्रतिभागियों के लिए न्यूनतम सात दिन की प्रशिक्षण वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में विजेता रहने वाले ग्रुप्स को पांच अलग-अलग श्रेणियों में 7 से लेकर 51 हजार रुपए तक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जिला कलक्टर ने महोत्सव का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के आयोजन से जुड़े सभी अधिकारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (नगर) रमेश देव, पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़, सहायक निदेशक (पर्यटन) महेश व्यास तथा सहायक पर्यटन अधिकारी नेहा शेखावत मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने किया तहसील एवं उपखण्ड कार्यालय क्षेत्रों का औचक निरीक्षण

-जनसुविधा और विकास योजनाओं की प्रगति का कलक्टर ने लिया जायजा

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने तहसील एवं उपखण्ड कार्यालय क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, अभिलेख रख-रखाव, राजस्व प्रकरणों की स्थिति, निर्माण कार्यों की प्रगति तथा जनहित योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान कलक्टर ने राजस्व विभाग, भू-अभिलेख, स्थापना, पुलिस, चिकित्सा, शिक्षा, पीडब्ल्यूडी, जलदाय, विद्युत, कृषि, पशुपालन, पंचायत समिति आदि विभागों के अधिकारियों से विभागवार जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अभिलेखों की जांच कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करने, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने तथा कार्यालयों में स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसील कार्यालयों में उपस्थित कार्मिकों की उपस्थिति रजिस्टर जांची गई। अनुपस्थित कार्मिकों के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जनसामान्य के कार्यों में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलक्टर ने पंचायत समिति स्तर पर भी निरीक्षण किया। पंचायत समिति अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक गांव में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ग्राम स्तर पर निगरानी तंत्र मजबूत करने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग को मुख्यमंत्री मेला पशु बीमा योजना के प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। अब तक जारी दावों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। लोक निर्माण विभाग को सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, निर्माण सामग्री की जांच नियमित रूप से करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को विद्युत आपूर्ति की निरंतरता बनाए रखने एवं शिकायतों का त्वरित समाधान करने के लिए निर्देश दिए गए।

आवश्याक सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई आयोजित

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्ट् अक्षय गोदारा की अध्य क्षता में सोमवार को कलेक्ट्रे ट सभागार में आवश्य क सेवाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई।बैठक में जिला कलक्ट र ने बजट घोषणा 2025-26 के तहत स्वीकृत विभिन्नक विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग स्वीकृत हुए कार्यों को गुणवत्तो के साथ तय समय सीमा में पूर्ण करावें। वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों की नियमित रूप से मोनिटरिंग करते हुए मौका स्थिति के अनुसार अपडेट करवाते रहें, साथ ही अप्रारंभ कार्यों को प्राथमिकता के साथ टेंडर प्रक्रिया को पूर्ण करवाकर शीघ्र शुरू करवाएँ। उन्होंने कहा कि स्टार प्रकरणों में दर्ज शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए आमजन की वाजिब मांगों का शीघ्र निस्तारण किया जावें। साथ ही संपर्क पोर्टल पर 60 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों का अविलंब निस्तारण किया जावे इस कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जावेगी। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि सभी राजकीय चिकित्सालयों की सेफ्टी ऑडिट विभागीय नियमानुसार पूर्ण करवा कर आगामी सात दिवस में रिपोर्ट भिजवाएं। शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ताव की पीडब्यूश द डी द्वारा जाँच की जावेगी। सभी निर्माण व मरम्मत कार्यों में गुणवत्तास का विशेष ध्या न रखा जावें। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर रामकिशोर मीणा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग मुकेश गुप्ता, नगर परिषद आयुक्त धर्मेंद्र मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

-जिला कलक्टर ने सम्मानित कर किया प्रोत्साहित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एनएचएआई के तत्वाधान में सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के टॉपर्स के साथ खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट एवं साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिला कलक्टर लोकबंधु ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, टैबलेट एवं साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला कलक्टर ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और लगन को पहचान मिलना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि कई बार विपरीत परिस्थितियों में भी हमें धैर्य और संकल्प के साथ प्रयास जारी रखने होते हैं। अनेक विद्यार्थियों के पास संसाधन सीमित होते हैं फिर भी वे संघर्ष को पार कर सफलता प्राप्त करते है। यह उनके दृढ़ संकल्प और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को केवल अकादमिक के साथ खेल और अन्य सह पाठ्यक्रमीय गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि दबाव में टूटना नहीं चाहिए तथा असफलता को सीख का अवसर समझकर आगे बढ़ना चाहिए। हर हार में भी एक सबक छिपा होता है। उससे सीख लेकर आगे बढ़ें तथा परिवार और समाज का नाम रोशन करने को कहा। लोकबंधु ने विद्यार्थियों से देश और समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है। उनकी ऊर्जा, प्रतिभा और सकारात्मक सोच समाज को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम कॉनसेशनायर आईआरबी-किशनगढ़-गुलाबपुरा टोल वे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत आयोजित किया गया। इस अवसर पर एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर हरी सिंह गीला तथा उप प्रबंधक हर्षिल पारीक सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर जनजातीय गौरव वर्ष के तहत लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जन-जन तक पहुंचा लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेशभर में भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में 1 से 15 नवम्बर तक जनजातीय गौरव वर्ष के तहत विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारम्भ हुई है। राज्य सरकार द्वारा यह आयोजन भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों, संघर्ष और योगदान को जन-जन तक पहुँचाने के साथ-साथ समाज के वंचित वर्गों को योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देशानुसार रविवार को जिले के सभी उपखण्डों में लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य पात्र लाभार्थियों तक केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना रहा। ई-मित्र केन्द्रों पर जिला प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित विशेष शिविरों में कुल 3 हजार 171 पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं से लाभान्वित किया गया। उपनिदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने बताया कि शिविरों में लाभार्थियों के बैंक खाते खुलवाने, बीमा सुरक्षा कार्ड वितरण, पेंशन योजनाओं में नामांकन और आधार प्रमाणीकरण जैसी सेवाएं मौके पर ही उपलब्ध कराई गई। जिले के विभिन्न उपखण्डों में लाभार्थियों की संख्या ब्लॉक धौलपुर में 615, बाड़ी में 575, बसेड़ी में 508, सरमथुरा में 415, सैपऊ में 548 तथा राजाखेड़ा में 510 रही। उन्होंने बताया कि शिविरों में नागरिकों का उत्साहपूर्ण सहभाग रहा तथा ई-मित्र संचालकों एवं विभागीय अधिकारियों ने लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी एवं दस्तावेज़ी सहयोग प्रदान किया। आगामी कार्यक्रमों के तहत महाविद्यालयों में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, विचार एवं योगदान पर भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। कृषकों के साथ संगोष्ठी, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, ब्लॉक स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जन जाति गौरव वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती

-जनजाति गौरव वर्ष के अन्तर्गत विविध कार्यक्रम हुए आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जनजाति गौरव वर्ष के अन्तर्गत भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष में जिले के जनजाति क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियों के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मण्डल ने आदिवासी स्वतंत्रता सैनानियों के योगदान को मनाने के लिए प्रतिवर्ष 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रुप में घोषित किया है। जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी 15 नवम्बर 2024 से 15 नवम्बर 2025 तक जनजाति गौरव वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया। जनजातीय गौरव वर्ष के अन्तर्गत एक नवम्बर 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित होगी। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सावर मधु गुप्ता ने बताया कि इस क्रम में एक नवम्बर को ब्लॉक सावर के राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय विद्यालय गिरवरपुरा में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में 6 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे बालकों को पारितोषित वितरण किया गया। इसी प्रकार सावर ब्लॉक के माध्यमिक शिक्षा से सम्बन्धित 35 विद्यालयों में 5610 विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर जानकारी दी गई। साथ ही इन 35 विद्यालयों में निबंध, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें निबंध में 615, भाषण में 178 एवं चित्रकला में 582 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बूंदी व तालेड़ा में बीएलओ और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण संपन्न

-4 नवंबर से शुरू होगा अभियान

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। एसआईआर-2026 विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR 2026) की तैयारियों के तहत सोमवार को बूंदी विधानसभा क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर एवं सुपरवाइजरों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण बूंदी तहसील एवं तालेड़ा तहसील मुख्यालय पर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व उपखंड अधिकारी बूंदी लक्ष्मीकांत मीणा ने निरीक्षण किया और बीएलओ एवं सुपरवाइजरों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने एस.आई.आर. कार्यक्रम के कार्य में तेजी लाने और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंबने बताया कि यह कार्यक्रम 4 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र अनिवार्य रूप से प्रदान करें। एसडीएम मीणा ने कहा कि इस कार्य में पुराने सत्र 2002 की वोटिंग लिस्ट एवं 2025 की वर्तमान वोट लिस्ट के मतदाताओं की बीएलओ एप के माध्यम से मैपिंग की जा रही है।" उन्होंने इस मैपिंग कार्य को 100 प्रतिशत सटीकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर भूपेंद्र ने सभी बीएलओ और सुपरवाइजरों को बीएलओ एप के तकनीकी पहलुओं, डाटा मैपिंग की प्रक्रिया और पुनरीक्षण कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

साप्ताहिक समन्वय बैठक आयोजित वंदे मातरम्@150 के अन्तर्गत करें कार्यक्रम आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। साप्ताहिक समन्वय बैठक में जिला कलक्टर लोक बन्धु ने वंदे मातरम्@150 के अन्तर्गत निर्धारित कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देशभक्ति, स्वदेशी एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ जिले में भी शुक्रवार, 7 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दिन प्रातः प्रभात फेरी का आयोजन होगा। पुष्कर घाटी स्थित स्काउट गाईड प्रशिक्षण केन्द्र से प्रातः 8 बजे जिला स्तरीय प्रभात फेरी रवाना होगी। इस दिन प्रातः 10 बजे शहीद स्मारक पर पुष्पांजली अर्पित कर शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी। वंदे मातरम् की थीम पर आधारित सांस्कृतिक संध्या का आयोजन राजकीय केन्द्रीय बालिका विद्यालय में होगा। इसमें पर्यटन विभाग द्वारा अनुमोदित कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इन कार्यक्रमों में समस्त विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों की श्रृंखला में आगामी 10 नवम्बर को समस्त सरकारी कार्यालयों में, 11 नवम्बर को समस्त नगरीय निकाय के कार्यालयों में, 12 नवम्बर को समस्त पंचायती राज संस्थानों में, 13 नवम्बर को समस्त स्कूलों, सम्बद्ध छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों में, 14 नवम्बर को समस्त उच्च शिक्षण संस्थानों में तथा 15 नवम्बर को समस्त अस्पतालों एवं पुलिस थानों में वंदे मातरम्@150 कार्यक्रम एवं स्वदेशी संकल्प का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 7 नवम्बर से 26 नवम्बर संविधान दिवस तक समस्त विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वंदे मातरम् का सामूहिक वाचन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोक कलाओं को प्रत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा संभाग मुख्यालयों पर घूमर नृत्य का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इसके अन्तर्गत आगामी 19 नवम्बर को पटेल स्टेडियम में मुख्य आयोजन किया जाएगा। इसके समानान्तर अन्य स्थानों पर भी आयोजन होंगे। घूमर कार्यक्रम के लिए अधिकतम महिलाओं को पंजीकृत करवाने के निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि सघन निरीक्षण अभियान के अन्तर्गत गत 5 वर्षों में हुए कार्यों का अन्य एजेन्सी के माध्यम से निरीक्षण करवाया जा रहा है। समस्त विभाग समीक्षा अवधि के अन्तर्गत हुए कार्यों की सूचना तत्काल उपलब्ध करवाएंगे। अभियान में हाल ही में पूर्ण तथा वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। निरीक्षण के उपरान्त सुधारात्मक कार्य आगामी 31 दिसम्बर तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखकर कार्य योजना बनाएं।

बालवाहिनियों की विशेष जांच अभियान के तहत 16 वाहनों पर कार्रवाई

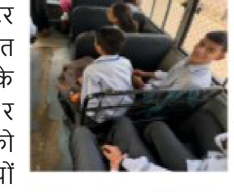

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार सोमवार को बालवाहिनियों के संबंध में विशेष जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने बताया कि अभियान के दौरान विभाग के उड़नदस्तों द्वारा कुल 32 बालवाहिनियों की मौके पर जांच की गई। जांच के दौरान विभिन्न अनियमितताएं पाई जाने पर 16 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए चालान बनाए गए। इनमें से 10 बसों में बिना फिटनेस, परमिट शर्तों का उल्लंघन, बिना चालक लाइसेंस, सीट बेल्ट व रिफ्लेक्टर के अभाव जैसी कमियां पाई गईं। इसके अलावा 4 ऑटो रिक्शा में ओवर क्राउडिंग व बिना लाइसेंस, तथा 2 वैन में बिना बीमा, बिना फिटनेस और निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों के परिवहन के मामलों में कार्यवाही की गई। सभी वाहन स्वामियों एवं संचालकों को यह निर्देशित किया गया है कि वे बालवाहिनी परमिट की शर्तों के अनुरूप ही वाहनों का संचालन करें, अन्यथा कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि सभी उड़नदस्तों को अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में बालवाहिनियों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड विशेष छात्रवृति एवं अनुदान योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

-6 नवम्बर से शुरु होंगे

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए विशेष छात्रवृत्ति एवं अनुदान योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आंमत्रित किए गए है। आवेदन 6 नवम्बर से किए जा सकेंगे। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि राजस्थान सरकार के जन घोषणा पत्र के बिन्द संख्या 23.28 के अनुसार सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से पिछड़े प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सहायता के लिए विशेष छात्रवृत्ति एवं अनुदान योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। ये आवेदन छात्रवृत्ति फ्रेश 2025 एवं रिन्यूअल 2024 के ईडब्ल्यूएस (जनरल) के विद्यार्थियों के लिए है। इनमे राजस्थान के सामान्य वर्ग के ईडब्ल्यूएस (जनरल) प्रमाण-पत्र धारक ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की माध्यमिक परीक्षा के बोर्ड आवेदन फार्म में ईडब्ल्यूएस कैटेगरी कोड (14) को चिन्हित किया है तथा माध्यमिक परीक्षा 2025 में 80 प्रतिशत या उससे अधिक एवं वर्ष 2024 (रिन्यूअल) के लिए कक्षा 11 में 55 प्रतिशत या उससे अधिक प्राप्तांक अर्जित विद्यार्थी ही पात्र है। उन्होंने बताया कि आवदेन 6 नवम्बर से 5 दिसम्बर 2025 तक संबंधित विद्यालय के संस्था प्रधान के माध्यम से बोर्ड की वेबसाइट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन ही किया जा सकेगा। ऑफलाईन आवेदन पत्र स्वीकार्य नहीं है। अधिक जानकारी व आवश्यक दिशा निर्देश के लिए बोर्ड की वेबसाइट व दूरभाष नम्बर 0145-2632025 व 0145-2632854 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन: 31 दिसम्बर तक करवाना होगा वार्षिक भौतिक सत्यापन

बीकानेर (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों को 31 दिसम्बर 2025 तक अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना होगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पंवार ने बताया कि जिले में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत कुल 2 लाख 55 हजार 788 लाभार्थियों को प्रतिमाह पेंशन मिल रही हैं इनमें 1 लाख 83 हजार 878 वृद्ध, 56 हजार 132 विधवा तथा 14 हजार 942 विशेष योग्यजन पेंशन तथा 836 कृषक वृद्धजन पेंशनर्स लाभ ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि 31 दिसम्बर तक सभी पेंशनर्स को अपना वार्षिक भौतिक सत्यापन करवाना होगा।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

जस्टिन बीबर के बेटे ने रिएक्रिएट किया पापा का 2010 का आइकॉनिक लुक

जस्टिन बीबर और हैली बीबर के बेटे जैक 14 महीने के हैं। उनकी एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी तस्वीर पर दिल हार बैठे हैं, क्योंकि उन्होंने अपने पापा का 15 साल पुराना आइकॉनिक लुक रीक्रिएट किया है। उन्होंने हैलोवीन पर अपने बेटे को ऐसे लुक में तैयार किया था। कैनेडियन पॉप सिंगर जस्टिन बीबर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। इस बार वो अपने 14 महीने के बेटे जैक के कारण सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, जस्टिन के बेटे जैक ने

हैलोवीन पर अपने पापा का साल 2010 का आइकॉनिक लुक को रीक्रिएट किया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही फोटो पर फैंस दिल हार बैठे हैं। इस साल हैलोवीन पर जस्टिन बीबर के बेटे जैक ने साबित कर दिया है कि उनके अंदर पापा के म्यूजिक जीन विरासत में मिले हैं। वो अभी 14 महीने के ही हैं, लेकिन अपने लुक से सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने अपने पापा के सबसे यादगार लुक्स में से एक 'माई वर्ल्ड टूर' के दौर को दोहराया है। जस्टिन के बेटे जैक की ये फोटो देखकर फैंस पुरानी यादों में खो गए हैं। जब जस्टिन ने 15 साल पहले व्हाइट कलर की जैकेट के साथ पर्पल कलर की हुडी पहनी थी। उस समय जस्टिन 14 साल के थे। हैली ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जेबीबी की तरफ से हैप्पी हैलोवीन।' मालूम हो कि जस्टिन का जन्म साल 1994 में हुआ था। वो कनाडा के फेमस सिंगर हैं।

टॉलीवुड

बाहुबली: द एपिक से उड़ा दिया गया तमन्ना का लव सॉन्ग

एस. एस. राजामौली के निर्देशन में बनी 'बाहुबली: द एपिक' हाल ही में रिलीज हुई। ये फिल्म कोई नई कहानी नहीं बल्कि उनकी पुरानी दोनों ब्लॉकबस्टर फिल्मों ' बाहुबली: द बिगिनिंग ' और 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' को ही काट छांट कर तैयार की गई है। एस. एस. राजामौलीने हाल ही में बताया कि उन्होंने तमन्ना भाटिया का एक रोमांटिक सॉन्ग इस फिल्म के नए वर्जन से क्यों हटा दिया। राजामौली ने कहा है कि जब उन्होंने

'बाहुबली: द बिगनिंग' और 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' दोनों फिल्मों को जोड़कर एक ही फिल्म 'बाहुबली: द एपिक' के रूप में दिखाने का फैसला किया, तो इसकी लंबाई करीब 5 घंटे 27 मिनट की हो गई। चूंकि दर्शकों के लिए ये स्क्रीन टाइम काफी लंबी थी, इसलिए टीम को इसे लेकर कुछ फैसले लेने पड़े। राजामौली ने एक प्रमोशनल चैट के दौरान प्रभास और राणा दग्गुबाती के साथ बातचीत में कहा कि नई फिल्म के वर्जन में कई सीन शामिल नहीं किए गए हैं। इसके पीछे की वजह भी उन्होंने बताई। राजामौली ने कहा, 'हर सीन अपने आपमें खास था, लेकिन जब हमने दोनों फिल्मों को मिलाया तो कहानी बहुत लंबी और धीमी लगने लगी। हमें तय करना पड़ा कि क्या रखना है और क्या छोड़ना है। इसलिए हमने यह ध्यान रखा कि फिल्म सिर्फ कहानी पर केंद्रित रहे, न कि हर छोटे-छोटे रोमांटिक या गाने वाले हिस्सों पर।'इस काट-छांट में तमन्ना भाटिया और प्रभास के बीच का लव सॉन्ग 'पाचा बोट्टेसिना' और कुछ सीक्वेंस को हटाना पड़ा। राजामौली ने कहा कि यह फैसला आसान नहीं था, क्योंकि यह गाना उस वक्त काफी पसंद किया गया था लेकिन नई फिल्म का मकसद कहानी को सीधा और तेजी से आगे बढ़ाना था। उन्होंने बताया कि कुछ युद्ध वाले सीन और दूसरे गाने जैसे 'कन्नानिदुरिंचरा' और 'इरुकुपो' को भी हटाना पड़ा ताकि कहानी एक लय में चले।

भोजपुरी

मोनालिसा ने माइक्रो ड्रामा सीरीज में मारी है एंट्री

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपना एक रोमांटिक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में मोनालिसा 'सैयारा' के गाने पर एक्ट करती दिख रही हैं, जिसके बाद क्रू उनका वीडियो देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर मोनालिया के इस वीडियो की तारीफ जमकर हो रही। अपनी एक्टिंग के लंबे सफर को तय करते हुए भोजपुरी एक्ट्रेस ने अब माइक्रो ड्रामा सीरीज में हाथ आजमाया है। मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर सीरीज की पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। मोनालिसा ने कैप्शन लिखा, 'मेरे प्यारे दर्शकों, मेरे नए प्रोजेक्ट को इतना सारा प्यार देने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद। पहली पहल हमेशा खास होती है और यह मेरी पहली माइक्रो ड्रामा सीरीज है। सभी दर्शकों को यह इतनी पसंद आई। सच में बहुत अच्छा लग रहा है। मेरे को-एक्टर्स, प्रोड्यूसर, डायरेक्टर समेत पूरी टीम को धन्यवाद।' इस पोस्ट में पीछे 'सैयारा' का टाइटल ट्रैक सुनाई दे रहा है। इसी गाने पर मोनालिसा अपने शो के हीरो के साथ रोमांटिक पोज देती दिख रही हैं। लोगों ने उनके इस एक्ट की खूब तारीफ भी की है। बहुत से लोगों ने परफेक्ट जोड़ी कहा है। एक ने कहा- एक तरफ घर वाला और एक तरफ बाहर वाला, ये है बीवी नंबर 1। यूं तो हिंदी सिनेमा में मोनालिसा ने कई फिल्में कीं, लेकिन उन्हें असल पहचान भोजपुरी सिनेमा से मिली थी। उन्होंने 2008 में 'भोले शंकर' से भोजपुरी इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। मोनालिसा ने अपने फिल्मी सफर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही साथ उन्होंने कई आइटम सॉन्ग्स में भी डांस किया है।

लाइफ स्टाइल

पलक गिरा गईं हुस्न की बिजलियां

25 की उम्र में ही अपने स्टाइल को लेकर अलग पहचान बनाने वाली पलक तिवारी यहां फैशन डिजाइनर प्रबल गुरुंग के स्टनिंग स्ट्रैपलेस गाउन में नजर आ रही हैं। जिसमें उन्हें हमेशा की तरह विक्टर और सोहेल ने स्टाइल किया। जिसमें पलक का सिजलिंग रूप देखते ही बना। जिसे उन्होंने कैरी भी बड़े ही ग्रेसफुल तरीके से किया। ब्लैक शीयर फैब्रिक से बनी रफल डीटेलिंग के साथ बनाया बो जैसा पैटर्न इसमें ग्लैमर का टच ले आया।

जींस खरीदना इतना आसान नहीं, खरीदने से पहले बहुत कुछ बातें समझना जरूरी

जींस एक ऐसा कपड़ा है, जो हर किसी की अलमारी में होता है। यह न केवल आरामदायक होता है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखता है। हालांकि, सही जींस चुनना आसान नहीं होता, खासकर जब बात महिलाओं की हो। सही जींस चुनने के लिए सबसे पहले अपने शरीर के आकार को समझना जरूरी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि किन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही जींस चुन सकती हैं।

शरीर के आकार को समझें- सबसे पहले अपने शरीर के आकार को समझें। महिलाओं के शरीर के मुख्य तीन आकार (सेब, नाशपाती और सीधा) होते हैं। सेब आकार में कंधे और कमर चौड़े होते हैं, जबकि नाशपाती आकार में कंधे पतले होते हैं और सीधा आकार में कंधे, कमर सभी समान होते हैं। अपने शरीर के आकार को पहचानकर आप आसानी से यह तय कर सकती हैं कि कौन सी जींस आपके लिए सही होगी।

सही फिटिंग चुनें- जींस खरीदते समय फिटिंग पर खास ध्यान दें। सही फिटिंग वाली जींस न केवल आरामदायक होती हैं, बल्कि आपके शरीर के आकार को भी अच्छा दिखाती हैं। अगर आपकी जींस ढीली होगी तो वह आपके लुक को बेकार बना सकती है और अगर बहुत टाइट होगी तो पहनने में असुविधा होगी। इसलिए हमेशा अपनी माप लेकर ही जींस खरीदें ताकि वह सही से फिट हो और आपको आरामदायक महसूस हो।

रंग का चयन करें- जींस का रंग भी अहम होता है। अगर आप पहली बार जींस खरीद रही हैं तो गहरा नीला या काला रंग चुनें क्योंकि ये रंग हर किसी पर अच्छे लगते हैं और किसी भी तरह के टॉप के साथ मेल खा सकते हैं।

इसके अलावा ये रंग गंदगी नहीं दिखाते और लंबे समय तक नए जैसे रहते हैं। अगर आप थोड़ी अलग पसंद रखती हैं तो ग्रे या गहरा ग्रे भी आजमा सकती हैं।

कपड़े की गुणवत्ता देखें- जींस खरीदते समय उसके कपड़े की गुणवत्ता पर ध्यान दें। सूती कपड़ा सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि यह आरामदायक होता है और लंबे समय तक चलता है। इसके अलावा इसमें हवा भी गुजरती रहती है जिससे गर्मी नहीं लगती। पॉलिएस्टर मिश्रित कपड़े

स्टाइल पर ध्यान दें

अंतिम लेकिन जरूरी बात यह है कि जींस का स्टाइल भी मायने रखता है। बेल बॉटम, स्ट्रेट कट, स्किनी आदि

सभी स्टाइल अपने-अपने तरीके से अच्छे लगते हैं। लेकिन आपको कौन सा स्टाइल ज्यादा पसंद है, यह आपके व्यक्तिगत चयन पर निर्भर करता है। इसलिए जब भी आप नई जींस खरीदने जाएं तो इन सभी बातों का ध्यान जरूर रखें ताकि वह आपकी शारीरिक बनावट और पसंद के अनुसार सही से चुनी जा सके।

शर्ट ड्रेस को ऐसे करें स्टाइल लगे सबसे खूबसूरत और रहे आरामदायक

फैशन

आजकल शर्ट ड्रेस का चलन बहुत बढ़ गया है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी लगती है, खासकर ऑफिस के माहौल में, जहां पेशेवर और आरामदायक दिखना जरूरी होता है। शर्ट ड्रेस को सही तरीके से पहनने और स्टाइल करने से आप न केवल पेशेवर लग सकती हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ा सकती हैं। आइए कुछ आसान और प्रभावी टिप्स जानते हैं, जिनसे आप शर्ट ड्रेस को ऑफिस के लिए खास बना सकती हैं।

सही फिटिंग का चयन करें

शर्ट ड्रेस खरीदते समय उसकी फिटिंग पर खास ध्यान दें। अगर ड्रेस ढीली होगी तो वह आपको असुंदर दिखा सकती है, जबकि बहुत टाइट ड्रेस पहनना भी आरामदायक नहीं होता। इसलिए हमेशा अपनी शारीरिक बनावट के अनुसार सही फिटिंग वाली ड्रेस चुनें। इससे न केवल आप आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि पेशेवर भी दिखेंगी। सही फिटिंग वाली शर्ट ड्रेस पहनने से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगी।

रंगों का चयन समझदारी से करें

ऑफिस के लिए शर्ट ड्रेस चुनते समय रंगों का चयन बहुत अहम होता है। हल्के रंग जैसे सफेद, नीला या हल्का गुलाबी हमेशा पेशेवर लगते हैं और इन्हें किसी भी प्रकार के जूते के साथ आसानी से मिलाया जा सकता है। इसके अलावा गहरे रंग जैसे काला या ग्रे भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं, जो आपको एक गंभीर और पेशेवर लुक देंगे। रंगों का सही चयन आपके ऑफिस लुक को और भी खास बना सकता है।

एक्सेसरीज का सही उपयोग करें

शर्ट ड्रेस को स्टाइल करने के लिए सही एक्सेसरीज का चयन बहुत जरूरी है। छोटे-छोटे एक्सेसरीज जैसे कान की बालियां या एक साधारण हार आपके लुक को पूरा कर सकते हैं। इसके अलावा एक अच्छा बेल्ट आपकी कमर को हाइलाइट कर सकता है और आपको एक स्मार्ट लुक देगा। अगर आप चाहें तो एक छोटा-सा हैंडबैग भी ले सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएगा और आपको आत्मविश्वास से भरपूर महसूस कराएगा।

खांसी की समस्या से राहत दिलाने में सहायक हैं कुछ घरेलू नुस्खे, आजमाकर जरूर देखें

खांसी एक आम समस्या है, जो किसी भी मौसम में हो सकती है। यह समस्या ठंड, गले में खराश या एलर्जी के कारण होती है। खांसी होने पर गले में जलन होती है और बार-बार खांसी आने लगती है, जिससे आराम नहीं मिलता है। इस लेख में हम कुछ असरदार घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप खांसी से जल्दी राहत पा सकते हैं और अपने गले को शांत रख सकते हैं।

अदरक और तुलसी की चाय पिएं- अदरक और तुलसी की चाय खांसी के लिए बहुत फायदेमंद होती है। अदरक में ऐसे तत्व होते हैं, जो जलन को कम करते हैं। तुलसी में ऐसे तत्व होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। एक कप पानी में कुछ टुकड़े अदरक के डालकर उबालें, फिर उसमें कुछ पत्तियां तुलसी की डालें और इसे 5 मिनट तक पकने दें। अब इसमें थोड़ी शक्कर डालकर पिएं।

नमक वाले पानी से गरारे करें- नमक वाले पानी से गरारे करने से गले की जलन कम होती है और राहत मिलती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच नमक मिलाकर इसका इस्तेमाल करें।

शहद का सेवन करें

शहद एक प्राकृतिक उपाय है, जो खांसी के इलाज में बहुत कारगर है। रात को सोने से पहले एक चम्मच शहद का सेवन करने से गले की जलन कम होती है और नींद भी अच्छी आती है। शहद में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की सुरक्षा को मजबूत बनाते हैं और खांसी को दूर करते हैं। इसके अलावा शहद में ऐसे गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

धुंध में बढ़ जाती हैं दुर्घटनाएं, गाड़ी चलाते समय सावधानी का रखें खास ध्यान, रहें सुरक्षित

धुंध के कारण सड़क पर देखने की क्षमता कम हो जाती है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए धुंध में गाड़ी चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना जरूरी है। इसके लिए गाड़ी की लाइट्स का सही उपयोग करें, धीमी गति से चलें और अन्य वाहनों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। आइए जानते हैं कि धुंध में गाड़ी चलाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

धीमी गति से चलाएं गाड़ी- धुंध में गाड़ी चलाते समय हमेशा धीमी गति से चलें। इससे न केवल आपकी कार को नियंत्रित करना आसान होगा, बल्कि अन्य वाहन चालकों को भी आपको देखने और आपके साथ सुरक्षित दूरी बनाए रखने में मदद मिलेगी। तेज गति पर

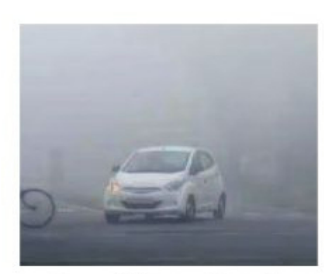

गाड़ी चलाने से आपको आगे क्या है, इसे देखना मुश्किल हो सकता है और इससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हमेशा धुंध में गाड़ी चलाते समय धीमी गति का पालन करें।

हेडलाइट्स का करें सही इस्तेमाल- धुंध में गाड़ी चलाते समय अपने हेडलाइट्स का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अपनी गाड़ी की हेडलाइट्स को कम रोशनी पर सेट करें ताकि अन्य वाहन चालकों को आपकी कार स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके। ज्यादा रोशनी का उपयोग करने से सामने चल रहे वाहनों पर तेज रोशनी पड़ती है, जिससे ड्राइवर अंधा हो सकता है और दुर्घटना हो सकती है। इसलिए हमेशा कम रोशनी का ही उपयोग करें।

पार्किंग लाइट्स का करें उपयोग-अगर धुंध बहुत ज्यादा हो रही हो तो अपनी गाड़ी को खड़ी करते समय पार्किंग लाइट्स का उपयोग करें। इससे अन्य वाहन चालकों को आपकी गाड़ी का पता लगाना आसान होगा और वे आपसे टकराने से बचेंगे। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि आपकी गाड़ी किसी ऐसे स्थान पर न हो, जहां अन्य वाहनों को निकलने या रुकने में परेशानी हो।

कार्नर न्यूज — इन बातों का रखें खास ध्यान

सलीके से पहना जाए बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज तो ही लगता है अच्छा

बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज भारतीय परिधान का एक खास हिस्सा है। यह न केवल स्टाइलिश दिखता है, बल्कि पहनने में आरामदायक भी होता है। हालांकि, इसे पहनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपका लुक बेहतरीन लगे और आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही फिटिंग, कपड़े का चुनाव, गहनों का उपयोग और आत्मविश्वास बनाए रखना जैसे पहलू इस लुक को खास बनाते हैं।

सही फिटिंग का ध्यान रखें

बिना स्लीव्स वाले ब्लाउज की फिटिंग बहुत जरूरी है। अगर ब्लाउज ढीला होगा तो यह आपके पूरे लुक को खराब कर सकता है। सही फिटिंग वाला ब्लाउज पहनें ताकि यह आपकी छाती और कंधों पर अच्छी तरह से बैठ सके। इसके लिए आप अपने नाप के अनुसार ब्लाउज बनवा सकती हैं या फिर बाजार से सही नाप वाला ब्लाउज खरीद सकती हैं। सही फिटिंग से आपका लुक और भी निखर कर आएगा।

फैब्रिक का चुनाव करें

बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज बनवाते समय फैब्रिक का चुनाव बहुत जरूरी है। सूती, रेशमी या जॉर्जेट जैसे हल्के और हवा लगने वाले फैब्रिक चुनें ताकि गर्मियों में भी आप आरामदायक महसूस करें। भारी फैब्रिक जैसे बनारसी या जरी की कारीगरी वाले कपड़े गर्मियों में असुविधाजनक हो सकते हैं। इसके अलावा हल्के फैब्रिक पहनने से आपका शरीर भी आरामदायक महसूस करेगा और पूरे दिन आप तरोताजा रहेंगी। सही फैब्रिक का चुनाव आपके लुक को और भी खास बना सकता है।

गहनों का उपयोग करें

बिना स्लीव्स वाले ब्लाउज के साथ सही गहने पहनना आपके पूरे लुक को खास बना सकता है। लंबे झुमके, चोकर हार या चूड़ियां जैसे गहने आपके लुक को और भी आकर्षक बना सकते हैं। हालांकि, गहनों का चयन करते समय संतुलन बनाए रखना जरूरी है ताकि आपका लुक ज्यादा बनावटी न लगे। इसके अलावा आप हल्के गहनों का चयन भी कर सकती हैं, जो आपके ब्लाउज के साथ अच्छे से मेल खाएं और आपको एक सुंदर लुक दें।

आत्मविश्वास बनाए रखें

आखिरकार, बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज पहनते समय सबसे अहम चीज है आत्मविश्वास। चाहे आप कितना भी अच्छा कपड़ा और गहने क्यों न पहन लें, अगर आपका आत्मविश्वास कम होगा तो आपका पूरा लुक प्रभावित होगा। इसलिए जब भी आप बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज पहनें, पूरे आत्मविश्वास के साथ उसे कैरी करें और खुद पर गर्व महसूस करें। इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप बिना स्लीव्स वाला ब्लाउज पहनते समय हर मौके पर शानदार दिख सकती हैं।

मजूमदार ने हर कयास को गलत साबित करके टीम को दिलाया विश्व कप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लगभग पांच दशक के इंतजार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जब पहली बार विश्व कप थामा तो खिलाड़ियों के साथ पूरा देश खुशी से झूम उठा लेकिन वहीं मैदान पर खड़े एक इंसान की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ संतोष का भाव था मानो यह जीत कई पुराने जख्मों पर मरहम लगा गई ।

यह थे भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार। घरेलू क्रिकेट में 20 सत्र और 11000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने के बावजूद भारत की जर्सी पहनने का उनका सपना अधूरा ही रहा। बतौर खिलाड़ी कई बार दिल टूटा, कई मलाल रह गए लेकिन इस जीत ने उनके सफर को मुकम्मिल कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीत के बाद 'गुरु' मजूमदार के पैर छूए और गले लगकर रो पड़ी तो टीवी के आगे नजरे गड़ाए जीत का जश्न देख रहे हर क्रिकेटप्रेमी की आंख भी भर आई।

■ चक दे इंडिया के कबीर खान की याद दिलाते हैं अमोल मजूमदार

इसी महीने अपना 51वां जन्मदिन मनाने जा रहे मजूमदार की कहानी शाहरुख खान की फिल्म 'चक दे इंडिया' के हॉकी कोच कबीर खान की याद दिलाती है, जो हर कयास को गलत साबित करके टीम को विश्व कप दिलाता है और यह जीत उसके अतीत के कई घावों पर मरहम भी लगा जाती है। जीत मिलने के बाद वह जश्न के बीच अपने भीतर जज्बात के तूफान को समेटने की कोशिश करता नजर आता है लेकिन चेहरे पर सुकून साफ दिखाई देता है ।

बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे

मजूमदार ने फाइनल में जीत के बाद कहा, ' मैं उनसे (भारतीय खिलाड़ियों) यही कहता था कि हम हार नहीं रहे हैं। बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे हैं। हम उन तीनों मैचों (लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मैच) में काफी प्रतिस्पर्धी रहे और ये सभी मैच काफी करीबी थे।' दो साल पहले टीम के कोच बने मजूमदार की नजरें हमेशा से इस विश्व कप पर थी लेकिन तब यह असंभव सा लग रहा था क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं थी लेकिन नतीजे नहीं मिल रहे थे।

दस महीने तक भारतीय टीम के पास नहीं था पूर्णकालिक कोच

मजूमदार के आने से पहले करीब दस महीने तक भारतीय टीम के पास पूर्णकालिक कोच नहीं था। पोवार को दिसंबर 2022 में हटा दिया गया था और बीच में रिषिकेश कानिटकर तथा नूशीन अल कादिर अंतरिम तौर पर काम देख रहे थे। सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता। सभी खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद रखा। अच्छे प्रदर्शन पर पीठ थपथपाई तो बुरे दौर में साथ खड़े दिखे। आलोचनाओं के बीच अपने खिलाड़ियों के लिये ढाल बनकर खड़े नजर आए और यहीं से नींव पड़ी विश्वास के ऐसे रिश्ते की जिसकी परिणिति विश्व कप ट्रॉफी के रूप में 'गुरुदक्षिणा' के साथ हुई । पूरे टूर्नामेंट में टीम एकजुट नजर आई । खिलाड़ी एक दूसरे की सफलता का जश्न मनाते और कठिन दौर में एक दूसरे का सहारा बने दिखे। एक चैम्पियन टीम बनने के लिए आखिर पहली शर्त को यही होती है।

खबर संक्षेप

मेबैंक गोल्फ चैंपियनशिप में 27वें स्थान पर अदिति

कुआलालंपुर। भारत की अदिति अशोक अंतिम दौर में पार 72 के स्कोर से यहां मेबैंक गोल्फ चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 27वें स्थान पर रहीं। अदिति ने अंतिम दौर में तीन बर्डी और तीन बोगी से पार का स्कोर बनाया। इस भारतीय गोल्फर का कुल स्कोर 10 अंडर रहा। मियु यामाशिता (65), हाये जिन चोई (73) और हना ग्रीन (68) तीनों ने 18 अंडर के कुल स्कोर से प्ले ऑफ में जगह बनाई। प्ले ऑफ में जापान की यामाशिता ने बर्डी लगाकर खिताब जीता जबकि ग्रीन और चोई ने पार का स्कोर बनाया। पहले दौर से ही शीर्ष पर चल रहीं चोई अंतिम दौर में एक ओवर 73 के खराब प्रदर्शन से खिताब जीतने से चूक गईं।

डब्ल्यूटीए में सबालेंका का 500वां मैच, पाओलिनी को आसानी हराया

रियाद। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में आठवीं रैंकिंग की खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-1 से आसान जीत दर्ज की। सबालेंका ने बेहतरीन सर्विस की और उन्होंने कुल मिलाकर 10 ऐस लगाए। इनमें पहले सेट के अंतिम गेम में लगाए गए चार ऐस भी शामिल हैं। यह सबालेंका का डब्ल्यूटीए स्तर पर 500वां मैच था, जो 70 मिनट तक चला। इसी ग्रुप में जेसिका पेगुला ने गत चैंपियन कोको गॉफ को 6-3, 6-7 (4), 6-2 से हराया। गॉफ को अपनी सर्विस में फिर से संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने 17 डबल फॉल्ट किए।

2026 में केरल आएंगी अर्जेंटीना फुटबॉल टीम

मलाप्पुरम। केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहमान ने कहा कि स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी की अगुवाई में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम अगले साल मार्च में राज्य में मैच खेलेगी। वह केरल सरकार के खेल विजन 2031 से संबंधित एक समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, 'दो दिन पहले हमें अर्जेंटीना टीम से एक ईमेल मिला, जिसमें पुष्टि की गई थी कि वे मार्च में आएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इसकी जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी।' मंत्री ने बताया कि अर्जेंटीना की टीम के इस दौरे के लिए सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गई है।

महिला विश्व कप : ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय टीम को बधाइयों का तांता

जीत के बाद टीम इंडिया ने गाया 'विक्ट्री सॉन्ग' ना लेगा कोई पंगा, रहेगा सबसे ऊपर तिरंगा ...

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने रविवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ महिला विश्व कप 2025 के फाइनल में 52 रन से जीत दर्ज की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय टीम ने अपना 'विक्ट्री सॉन्ग' गाया। बीसीसीआई विमेंस ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें भारतीय महिला टीम विजयी गीत गा रही है। इस वीडियो में जेमिमा रोड्रिगेज ने कहा, हमने चार साल पहले तय किया था कि विश्व कप जीतने के बाद ही टीम सॉन्ग जारी करेंगे। इस वीडियो में खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ के सदस्य गीत गा रहे हैं, "टीम इंडिया, टीम इंडिया, कर दे सबकी हवा टाइट, टीम इंडिया यहां लड़ने के लिए है, कोई ना लेगा हमको लाइट, ओओओओओ, हमारा भविष्य उज्ज्वल है साथ में चुनौती, साथ में उठेंगे, हम हैं टीम इंडिया हम साथ में जीतेंगे। ना लेगा कोई पंगा, कर देंगे हम दंगा, रहेगा सबसे ऊपर हमारा तिरंगा। हम हैं टीम इंडिया।"इस विश्व कप में लगातार तीन मुकाबले गंवाने के बाद भारत को विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार नहीं माना जा रहा था, लेकिन टीम इंडिया ने शानदार वापसी करते हुए अपना पहला खिताब जीता है।

मैंने वैसा ही प्रदर्शन किया जैसा करना चाहती थी : दीप्ति

मुंबई। भारत की महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत की नायिकाओं में से एक दीप्ति शर्मा ने कहा कि अपनी धरती पर आईसीसी विश्व खिताब जीतना टीम की नियति में था। दीप्ति ने फाइनल में पांच विकेट लेने के साथ 58 रन भी बनाए। उन्होंने 22 विकेट लेने के साथ 215 रन बनाकर 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार जीता। दीप्ति ने कहा,' मुझे अच्छा लग रहा है। विश्व कप में पहले मैच से लेकर मैने वैसा ही प्रदर्शन किया जो एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर करना चाहती थी। फाइनल में ऐसा प्रदर्शन करने से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता ।" विश्व खिताब के लिये लंबे इंतजार को लेकर उन्होंने कहा, ' विश्व कप जीतने में काफी समय लगा लेकिन ईश्वर ने हमारी नियति में लिखा था कि हम भारत में ही यह खिताब जीतेंगे।' उन्होंने कहा, ' डी वाई पाटिल स्टेडियम की मेरी कई सुखद यादें हैं। हमने यहां सारी श्रृंखलायें जीती है। एक टीम के रूप में हम काफी सकारात्मक रहे । नतीजा चाहे जो हो, हम एक टीम की तरह खेले।'

अमनजोत ने वोल्वार्ड्ट के कैच पर कहा, यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा कैच

नवी मुंबई। महिला विश्व कप के फाइनल में अपने शानदार क्षेत्ररक्षण से दक्षिण अफ्रीका की सलामी जोड़ी को पवेलियन भेजने में योगदान देने वाली अमनजोत कौर ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट के कैच को अपने अब तक के करियर का सबसे बड़ा कैच करार दिया। भारत ने रविवार का फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर पहली बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स को रन आउट कर वोल्वार्ड्ट के साथ पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने इसके बाद 42वें ओवर में वोल्वार्ड्ट का शानदार कैच उस समय लपका जब वह शतक पूरा कर भारत और जीत के बीच खड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी आठ ओवर में 79 रन की जरूरत थी और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भी शतक पूरा करने के बाद बड़े शॉट खेलने की तैयारी में थी। उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद को डीप मिडविकेट की तरफ खेला और अमनजोत के हाथ से गेंद दो बार छिटकी लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में कैच पूरा कर स्टेडियम में मौजद दर्शकों के साथ टीम के खिलाड़ियों में जोश भर दिया।

महिला क्रिकेट टीम ने सचमुच कुछ खास उपलब्धि हासिल की

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने 'एक्स' पर लिखा, '1983 ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। आज हमारी महिला क्रिकेट टीम ने सचमुच कुछ खास उपलब्धि हासिल की है।" तेंदुलकर ने कहा, "उन्होंने देश भर में अनगिनत युवा लड़कियों को बल्ला और गेंद उठाने, मैदान में उतरने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि वे भी एक दिन ट्रॉफी उठा सकती हैं। यह भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक निर्णायक क्षण है। शाबाश, टीम इंड़िया। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।'

इतिहास रचा गया

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लिखा, 'इतिहास रचा गया। हमारी महिला खिलाड़ियों ने क्या शानदार प्रदर्शन किया। 140 करोड़ भारतीय इस गौरवशाली क्षण को संजो रहे हैं। बधाई हो, विश्व चैंपियन।'

महिला क्रिकेट.. विश्व चैंपियन : अमिताभ

बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'भारतीय महिला क्रिकेट.. विश्व चैंपियन। आपने हम सभी को गौरवान्वित किया है। बधाई, बधाई, बधाई।''

आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा : कोहली

स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने लिखा, 'आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, आपने अपने साहसिक क्रिकेट और विश्वास से प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। आप सभी प्रशंसा के हकदार हैं और इस पल का पूरा आनंद लें। शाबाश हरमन और टीम। जय हिंद।'

आखिरकार आज सच हो गया सपना : मिताली

पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा, ''विश्व चैंपियन। मैं दो दशकों से भी अधिक समय से भारतीय महिला टीम को विश्व कप ट्राफी उठाते हुए देखने का सपना देख रही थी। यह सपना आखिरकार आज रात सच हो गया। विश्व क्रिकेट की नई चैंपियनों, आपने सिर्फ एक ट्रॉफी ही नहीं जीती, आपने भारतीय महिला क्रिकेट के लिए धड़कने वाले हर दिल को जीत लिया।'

हमें अपनी विश्व चैंपियन लड़कियों पर गर्व : सहवाग

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा, 'चैंपियन। हर चौके हर विकेट, आपने अपने जज्बे से पूरे देश का दिल जीत लिया। हमें अपनी विश्व चैंपियन लड़कियों पर गर्व है। क्या शानदार जीत रही। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने पूरी पीढ़ी को सपना दे दिया जीतने का, लड़ने का, चमकने का।'

टीम इंडिया को बधाई: एबी डिविलियर्स

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने कहा, 'टीम इंडिया को बधाई। दक्षिण अफ्रीका भी अपना सिर ऊंचा रखे। विश्व भर में महिला क्रिकेट फल फूल रहा है। क्या शानदार फाइनल था। क्या शानदार टूर्नामेंट था।'

फ़िडे वर्ल्ड कप 2025 की गोवा में शानदार शुरुआत

- टूर्नामेंट ट्रॉफी का नाम रखा गया 'विश्वनाथन आनंद कप'
- केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद रहे मौजूद
- महिला विश्व कप विजेता जीएम दिव्या देशमुख ने किया ड्रॉ ऑफ कलर्स

एजेंसी ▶▶| पणजी

भारत और गोवा की समृद्ध संस्कृति की झलक पेश करने वाले रंगारंग आयोजन के साथ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में फ़िडे वर्ल्ड कप 2025 का भव्य उद्घाटन हुआ। संगीत, प्रकाश और कला से सजी इस उद्घाटन समारोह ने 'स्पिरिट एंड स्टोरी ऑफ चेस' को शानदार अंदाज़ में जीवंत किया। इस अवसर पर विश्व कप ट्रॉफी का नाम भारत के पहले विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद के नाम पर 'विश्वनाथन आनंद कप' रखा गया। पीतल से निर्मित और सुनहरी परत चढ़ी यह ट्रॉफी समर्पण, सटीकता और दृढ़ता जैसे उन मूल्यों की प्रतीक है, जिन्हें आनंद ने अपने करियर के दौरान स्थापित किया। यह एक रोलिंग ट्रॉफी के रूप में आगामी विजेताओं को सौंपते हुए उनकी उपलब्धियों का प्रतीक बनेगी।

टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पत्र के माध्यम से किया गया, जिसे अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अध्यक्ष नितिन नारंग ने पढ़ा। पीएम ने अपने संदेश में कहा, जब शतरंज विश्व कप अपने 'घर' भारत लौट रहा है, तो लगता है जैसे यह खेल अपनी जड़ों तक लौट आया हो। भारत अब विश्व के प्रमुख खेल आयोजनों का केंद्र बनता जा रहा है, जो देश और विश्व दोनों के लिए शुभ संकेत है। मैं एफआईडीई चेस वर्ल्ड कप 2025 के उद्घाटन की घोषणा करता हूं।"

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

समारोह में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, गोवा के कला एवं संस्कृति, जनजातीय कल्याण, खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. रमेश तवड़कर, फ़ीडे अध्यक्ष आर्कादी द्वोर्कोविच, एआईसीएफ अध्यक्ष नितिन नारंग, तथा कई अन्य गणमान्य अतिथि और भाग ले रहे ग्रैंडमास्टर्स उपस्थित रहे। महिला विश्व कप विजेता ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने ड्रॉ ऑफ कलर्स समारोह में खिलाड़ियों के लिए शुरुआती रंग चुने गए। उन्होंने शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डी. गुकेश के लिए ब्लैक रंग चुना, जिसके चलते सभी विषम संख्या वाले खिलाड़ी पहले दौर में ब्लैक पीसेज से शुरुआत करेंगे।

भारत के नारायणन, दीप्तायन और अरोनयक दूसरे दौर में

पणजी । भारतीय ग्रैंडमास्टर एसएल नारायणन और दिप्तायन घोष ने अपनी दोनों रेपिड बाजियां जीतकर फिडे विश्व कप 2025 के दूसरे दौर में जगह पक्की कर ली जबकि अरोनयक घोष ने सोमवार को पहले दौर के टाईब्रेक के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बनाई। पहली बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए नारायणन ने स्टीवन रोजास के डिफेंस को आसानी से तोड़ा और फिर दूसरी बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए सिर्फ 22 चाल में जीत दर्ज की।

दिप्तायन ने चीन के पेंग शियोंगलियान को मात दी। उन्होंने टाईब्रेकर की अपनी दोनों बाजियां जीती। ऋत्विक राजा उन खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने सबसे लंबा टाईब्रेकर खेला। वह कजाखस्तान के 2024 के विश्व जूनियर चैंपियन नोगिरबेक काजीबेक के खिलाफ ब्लिट्ज टाईब्रेकर में हार गए। फाइनल नतीजा कजाखस्तान के ग्रैंडमास्टर के पक्ष में 5-3 से रहा लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने इस मुकाबले में आखिर तक कड़ी चुनौती पेश की। अरोनयक ने पोलैंड के मातेउज बार्टेल को बाहर का रास्ता दिखाया। पोलैंड के ग्रैंडमास्टर के पास क्लासिकल बाजियों में मौका था लेकिन जब 10 मिनट के रेपिड वर्ग की बात आई तो वह अरोनयक के सामने टिक नहीं पाए।

आईएचपीएल के आयोजक भागे होटल में फंसे गेल और राइडर

श्रीनगर। कश्मीर से नई क्रिकेट प्रतिभा को खोजने के लिए एक बड़ी प्रतियोगिता के तौर पर पेश की गई इंडियन हेवन प्रीमियर लीग (आईएचपीएल) एक घोटाला साबित हुई है क्योंकि इसके आयोजक भाग गए हैं, जिससे क्रिस गेल जैसे कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय स्टार खिलाड़ी बिलों का भुगतान नहीं होने के कारण यहां एक होटल में फंस गए हैं। अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में बड़े धूमधाम से शुरू हुई आईएचपीएल का आयोजन मोहाली स्थित युवा सोसाइटी ने किया था। गेल, डेवोन स्मिथ, जेसी राइडर और शाकिब अल हसन जैसे पूर्व क्रिकेटरों के बड़े-बड़े बिलबोर्ड शहर में कई जगहों पर लगाए गए थे, जिनमें यह घोषणा की गई थी कि ये मेगास्टार स्थानीय खिलाड़ियों के साथ इस लीग में खेलेंगे, जो 8 नवंबर को खत्म होने वाली थी। अधिकतर मैच बख्शी स्टेडियम में खेले गए और ब्रेक के दौरान लाउडस्पीकर पर संगीत बजता रहता था।

लीग अचानक हुई खत्म

हालांकि यह लीग शनिवार को अचानक खत्म हो गई क्योंकि खिलाड़ियों ने बकाया पैसे नहीं मिलने के कारण मुकाबलों के लिए आने से मना कर दिया। आयोजक गायब हो गए, जिससे होटल वालों को खिलाड़ियों को तब तक जाने से रोकना पड़ा जब तक उनका बकाया भुगतान नहीं हो जाता। यह मामला तब सामने आया जब प्रतियोगिता में अंपायर की भूमिका निभा रहीं इंग्लैंड की मेलिसा जूनिपर ने कहा कि उन्हें भुगतान नहीं मिला है। जूनिपर ने कहा, 'हमें कोई भुगतान नहीं मिला है।'

भारत के खिलाफ टी20 मैच नहीं खेलेंगे हेड

होबार्ट। ऑस्ट्रलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड को एशेज श्रृंखला की तैयारी के लिए भारत के खिलाफ आखिरी दो टी20 मैचों से फारिग कर दिया गया है और वह आस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में खेलेंगे। हेड दस नवंबर से तस्मानिया के खिलाफ साउथ आस्ट्रेलिया के लिये खेलेंगे। एशेज श्रृंखला 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद से यह उनका पहला प्रथम श्रेणी मैच है। वह पिछले महीने सफेद गेंद के क्रिकेट में कुछ खास नहीं कर सके और आठ पारियों में सर्वोच्च स्कोर 31 रन रहा। हेड आस्ट्रेलिया की टी20 टीम के उन तीन खिलाड़ियों में से हैं, जिन्होंने पांच मैचों की एशेज टेस्ट श्रृंखला की तैयारी को प्राथमिकता दी है। जोश हेजलवुड और सीन एबोट अन्य दो खिलाड़ी हैं। आस्ट्रेलिया चयनकर्ताओं ने शेफील्ड शील्ड या भारत के खिलाफ आखिरी दो टी20 खेलने का फैसला खिलाड़ियों पर छोड़ा था और हेड ने घरेलू टूर्नामेंट को चुना।

रणजी ट्रॉफी : राजस्थान ने पहली पारी में 6 विकेट पर 617 रन बनाकर की पारी घोषित

हुडा ने मुंबई के खिलाफ मारा दोहरा शतक, कार्तिक की सेंचुरी

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में मुंबई की टीम अपना तीसरा मैच राजस्थान के खिलाफ खेल रही है। इस मैच में मुंबई पहली पारी में 254 रन बनाए, लेकिन राजस्थान की बैटिंग शानदार रही और इस टीम ने पहली पारी में दीपक हुडा के दोहरे शतक व कार्तिक शर्मा की शतकीय पारी के दम पर 6 विकेट पर 617 रन बना दिए और पारी की घोषणा कर दी।

राजस्थान ने पहली पारी में मुंबई पर 363 रन की बड़ी बढ़त हासिल की और बेहद मजबूत स्थिति में नजर आई। वहीं 363 रन से पिछड़ने के बाद मुंबई की टीम पूरी तरह से इस मैच में बैकफुट पर दिख रही है। राजस्थान के खिलाफ पहली पारी में मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने गेंदबाजी में यशस्वी जायसवाल को आजमाया और उन्हें सफलता भी मिली।

दीपक हुडा ने खेली 248 रन की पारी

मुंबई के खिलाफ दीपक हुडा ने कमाल की बैटिंग की और उन्होंने 335 गेंदों का सामना करते हुए 2 छक्के और 22 चौकों की मदद से 248 रन की शानदार पारी खेली। वहीं दीपक के अलावा कार्तिक शर्मा ने भी शतक लगाया और उन्होंने भी 3 छक्के और 13 चौकों की मदद से 139 रन बनाए। हालांकि पहली पारी में टीम के ओपनर सचिन यादव शतक लगाने से सिर्फ 8 रन से चूक गए और 92 रन के स्कोर पर वो रन आउट हो गए।

ओडिशा पर आंध्र प्रदेश का पलड़ा भारी

कटक में आंध्र प्रदेश ने ओडिशा को 56.4 ओवर में 151 रन पर समेटने के बाद फॉलोआन के लिए मजबूर करके अपना पलड़ा भारी रखा। कावुरी सेतेजी (30 रन पर तीन विकेट), सौरभी कुमार (32 रन पर तीन विकेट) और त्रिपुराणा विजय (14 रन पर तीन विकेट) ने तीन-तीन विकेट चटकाए। दिन की शुरुआत चार विकेट पर 80 रन से करने वाले ओडिशा की ओर से संदीप पटनायक ने सर्वाधिक 58 रन बनाए। ओडिशा ने दूसरी पारी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए दो विकेट पर 190 रन बनाए।

नगालैंड के खिलाफ झारखंड जीत के करीब

रांची। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अनुकूल रॉय ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए आठ विकेट चटकाए, जिससे झारखंड ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए मैच के तीसरे दिन सोमवार को नगालैंड को 154 रन पर ढेर करने के बाद उसे फॉलोऑन देते हुए जीत की ओर कदम बढ़ाए। छब्बीस साल के बाएं हाथ के स्पिनर अनुकूल ने 55 रन देकर आठ विकेट हासिल किए, जिससे नगालैंड की टीम पहली पारी में 73.5 ओवर में सिमट गई। नगालैंड ने इसके बाद फॉलोऑन खेलते हुए दूसरी पारी में पांच विकेट पर 104 रन बनाए।झारखंड ने पहली पारी आठ विकेट पर 510 रन बनाने के बाद घोषित की थी, जिससे नगालैंड की टीम अब भी 252 रन पीछे है।

हरिभूमि न्यूज़:नई दिल्ली। *अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा और चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा है कि पाकिस्तान और चीन, रूस तथा उत्तर कोरिया के अलावा, चोरी-छिपे परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने यह रहस्योद्घाटन एक न्यूज़ चैनल के साक्षात्कार ('60 मिनट्स' शो) में किया, जहां उन्होंने 33 साल के स्थगन के बाद अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण करने के आदेश को सही ठहराया। भारत के लिए यह दावा गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि वह दो परमाणु-सशस्त्र प्रतिद्वंद्वियों-चीन और पाकिस्तान का सामना दो मोर्चों पर कर रहा है।ट्रंप ने दावा किया कि परमाणु हथियार रखने वाले देश गुप्त रूप से परीक्षण कर रहे हैं।*

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया सनसनीखेज दावा

भारत की बढ़ी टेंशन! पाक-चीन कर रहे सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट'

अगर दावे में सच्चाई तो भारत के लिए यह गंभीर चिंता का विषय

भूमिगत होते हैं यह परीक्षण

चैनल से बातचीत में ट्रंप ने कहा, 'रूस परीक्षण कर रहा है और चीन परीक्षण कर रहा है, लेकिन वे इसके बारे में बात नहीं करते.' उन्होंने पाकिस्तान पर भी यही आरोप लगाते हुए कहा, 'निश्चित रूप से उत्तर कोरिया परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान परीक्षण कर रहा है।' ट्रंप ने दावा किया कि ये परीक्षण इतने भूमिगत होते हैं कि उनका पता लगाना मुश्किल होता है।

फिर किया युद्ध रोकने का दावा : इसी साक्षात्कार में ट्रंप ने दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान परमाणु युद्ध के कगार पर थे, जिसे उन्होंने व्यापार और टैरिफ की धमकी देकर रोका. ट्रंप ने कहा, 'अगर ट्रंप शामिल नहीं होते, तो लाखों लोग मारे गए होते... यह एक बुरा युद्ध था। हर जगह जेट्स गिराए जा रहे थे। मैंने उन दोनों से कहा, अगर तुम लोग नहीं रुके तो अमेरिका के साथ कोई कारोबार नहीं करोगे।'

भारत के लिए चिंता और 'पोखरण-3' की संभावना

ट्रंप के इन दावों ने भारत के लिए पोखरण-3 परीक्षण करने का अवसर खोल दिया है। यदि चीन और पाकिस्तान वास्तव में परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, तो यह भारत के लिए स्थिति को और अधिक अस्थिर बना देता है, जो 'नो-फर्स्ट-यूज़' (पहले इस्तेमाल न करने) की नीति का पालन करता है और जिसने 1998 के बाद कोई परमाणु परीक्षण नहीं किया है।

चीन की बढ़ती ताकत

भारत का परमाणु जखीरा (अनुमानित 180 वारहेड, 2025 तक) चीन के बढ़ते भंडार (600, 2030 तक 1,000 का लक्ष्य) से काफी पीछे है। चीन के फ्रैक्शनल ऑर्बिटल बॉम्बार्डमेंट सिस्टम (**FOBS**) जैसे तकनीकी विकास भारत की रक्षा क्षमताओं के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा करते हैं, क्योंकि यह भारतीय इंटरसेप्टर (**PDV**) को चकमा दे सकता है।

पाक का परमाणु जखीरा कितना बड़ा?

रक्षा और हथियार से जुड़े मामलों में अग्रणी थिंक टैंक-स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान के पास मौजूदा समय में 170 परमाणु वॉरहेड्स हैं। जनवरी 2025 में जारी हुई विश्लेषण रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के परमाणु जखीरे में इस वक्त 180 वॉरहेड्स हैं।

आधिकारिक तौर पर किए गए परमाणु परीक्षण : दूसरी तरफ बुलेटिन ऑफ एटॉमिक साइंटिस्ट्स की 2023 की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि पाकिस्तान के पास अपने परमाणु जखीरे को जल्द बढ़ाने की क्षमता भी है, क्योंकि उसके पास चार प्लूटोनियम प्रोडक्शन रिएक्टर्स और परमाणु संवर्धन से जुड़ा जबरदस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद है। इसके अलावा वह परमाणु हथियार बनाने की नई प्रणालियों को भी विकसित कर रहा है।

खबर संक्षेप

भाई की रिहाई के लिए दिल्ली कोर्ट पहुंचीं सेलिना

नई दिल्ली। अभिनेत्री और मॉडल सेलिना जेटली ने अपने भाई को दुबई में हिरासत से सुरक्षित निकालने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है। सेलिना के भाई, मेजर (रिटायर्ड) विक्रांत कुमार जेटली, सितंबर 2024 से संयुक्त अरब अमीरात में हिरासत में हैं। अभिनेत्री ने विदेश मंत्रालय (एमईए) से अपने भाई के लिए कानूनी, चिकित्सा और राजनयिक सहायता सुरक्षित करने के लिए कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की है। अभिनेत्री और संयुक्त राष्ट्र समानता चैंपियन सेलिना जेटली ने एडवोकेट माधव अग्रवाल के जरिए याचिका दायर की है, जिसमें एडवोकेट राघव कैकर बहस कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि विदेश मंत्रालय का विदेशों में हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिकों की रक्षा करने का संवैधानिक और अंतर्राष्ट्रीय दायित्व है।

एक्जाम प्रेशर : आईआईटी ग्रेजुएट ने लगाई गंगा में छलांग

बिजनौर। बिजनौर में आईआईटी कानपुर की स्नातक और यूपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती ने गंगा बैराज से कूद गई। युवती का नाम ललिता रानी है। वह चांदपुर के गांव खानपुर माजरा की रहने वाली थी और बिजनौर के चक्कर रोड स्थित रेलवे फाटक के पास परिवार के साथ रहती थी। सोमवार सुबह वह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकली थी। उसके साथ पड़ोस की 12 साल की एक बच्ची भी थी। लेकिन स्टेशन जाने की बजाय ललिता बस में बैठकर गंगा बैराज पहुंच गई। वहां बैराज के गेट नंबर 24 के पास उसने रेलिंग पर चढ़कर गंगा में छलांग लगा दी. बच्ची के शोर मचाने पर रास्ते से गुजर रहे लोग पहुंचे, लेकिन तब तक ललिता पानी में जा चुकी थी। पुलिस, एसडीआरएफ और गोताखोर मौके पर पहुंच गए। गंगा में पानी की गहराई करीब 20 फीट होने के कारण तलाश अभियान जारी है।

बिहार विधानसभा चुनाव

सहरसा की रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने साधा निशाना

राज्य में 6 व 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को नतीजे

'राजद-कांग्रेस के लोग मनाते हैं विदेशी त्योहार, छठ पर्व मनाने में इन्हें शर्म आ रही

एजेंसी ▶▶| सहरसा

जाति आधारित वोटिंग के लिए चर्चित रहे बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से तीन दिन पहले सहरसा में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के नंबर-1 नेता राहुल गांधी को सनातन धर्म के अपमान पर घेरा। उन्होंने छठ से लेकर अयोध्या तक की चर्चा की। राहुल गांधी के बेगूसराय में मछली मारने की खबरों से जोड़ते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में निषाद राज का मंदिर बना है। वहां वह कभी नहीं जाते हैं। भगवान राम से अगर तकलीफ है तो निषाद राज जी, सबरी माता और वाल्मिकी जी के मंदिर में ही माथा टेक कर आ जाओ। उन्होंने लालू प्रसाद की हैलोवीन मनाती तस्वीरों पर भी निशाना साधा और घेरते हुए कहा- 'राजद और कांग्रेस का परिवार दुनिया भर के त्योहार मनाते हैं। विदेशी त्योहार मनाने पर इन्हें मजा आता है। लेकिन, अब छठ महापर्व मनाने में इन्हें शर्म आती है। छठी मैया का इनलोगों ने अपमान किया।' पीएम नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद के नामदार जमीन से भी कटे हुए हैं। यह लोग भांति-भांति के सपने भले देखते हों।

हर मामले में नेहरू-इंदिरा को ही दोषी ठहराते हैं मोदी-शाह

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को सोनबरसा की चुनावी सभा में मोदी-शाह वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह हर मुद्दे पर नेहरू-इंदिरा को ही दोषी ठहराते हैं। उन्होंने तंज किया केंद्र सरकार को 'अपमान मंत्रालय' स्थापित करना चाहिए इससे प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को राष्ट्र निर्माण और देश के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का समय मिल सकेगा। प्रियंका ने कहा, पिछले 20 वर्षों से बिहार की चुनी हुई सरकार को प्रधानमंत्री और गृहमंत्री चला रहे हैं। जब आपकी चुनी हुई सरकार को केंद्र से सम्मान नहीं मिलता, तो जनता का सम्मान कैसे बचेगा? उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची से 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया है, जो न केवल उनके मताधिकार का हनन है, बल्कि सीधे तौर पर उनकी नागरिकता छीनने जैसा गंभीर कदम है।

राहुल और लालू की पार्टियां पूरी तरह खत्म हो जाएंगी : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के शिवहर में महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 14 नवंबर को राहुल और लालू की पार्टियां पूरी तरह खत्म हो जाएंगी। यहां एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। महागठबंधन के पास न तो कोई नेता है और न ही कोई साफ पॉलिसी.। उन्हें यह भी नहीं पता कि कौन किस सीट से चुनाव लड़ रहा है। इस बीच, एनडीए की सभी पांच पार्टियां पांडवों की तरह एकजुट होकर बिहार की सभी 243 सीटों पर एक साथ चुनाव लड़ रही हैं।' शाह ने कांग्रेस एमपी राहुल गांधी पर छठ पर्व का अपमान करने का भी आरोप लगाया और कहा कि इस बार मोदी के साथ-साथ आपने छठी मैया का भी अपमान किया है।

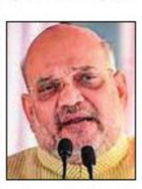

महागठबंधन में 'पप्पू, अप्पू और टप्पू' नाम के तीन बंदर : योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केवटी की चुनावी सभा में कहा, गांधी जी के तीन बंदरों की तरह बिहार के महागठबंधन में भी तीन बंदर हैं। इना नाम है पप्पू, अप्पू और टप्पू। उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह तीनों (पप्पू, टप्पू और अप्पू) बंदर न सच देखते हैं, न सुनते हैं, न बोलते हैं। उन्हें एनडीए सरकार का विकास दिखाई नहीं देता। उन्होंने कहा कि राजद सांप है और कांग्रेस रामद्रोही, देशद्रोही और मां जानकी के विरोधी हैं। यह लोग सनातन परंपरा को कमजोर करना चाहते हैं।

चुनाव में लालू की एंट्री, दानापुर में रोड शो

दानापुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सियासी घमासान में सोमवार को पहली बार आरजेडी चीफ लालू यादव चुनाव प्रचार में उतरे। इस दौरान उन्होने दानापुर सीट से आरजेडी प्रत्याशी रीतलाल यादव के लिए वोट मांगे। उनके साथ राजद सांसद और बड़ी बेटी मीसा भारती साथ रहीं। लालू के रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। इस दौरान लालू ने कहा कि चुनाव प्रचार बहुत अच्छा चल रहा है और महा गठबंधन जीतेगा। आपको बता दें राजद प्रत्याशी रीतलाल यादव रंगदारी के मामले में भागलपुर की जेल में बंद है। वे जेल से ही चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव प्रचार के लिए उन्होने पटना हाईकोर्ट में याचिका भी दी थी, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

बूथ पर तैनाती के लिए गुजरात से पुलिस बुलाई

तेजस्वी यादव ने बिहार चुनाव में गुजरात से अफसरों और पुलिस कर्मियों को बुलाए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि, 'पुलिसकर्मियों को बूथ में तैनात करने के लिए लाया गया है।' उन्होंने राजद पर लगने वाले 'जंगल राज' के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जंगलराज सिर्फ परसेप्शन है। तेजस्वी ने एनसीआरबी के आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बिहार में अपराध बढ़ा है। उन्होंने मुजफ्फरपुर शेल्टर होम कांड की याद दिलाई।

'मदरसे में नकली नोट, भारत को अस्थिर करने का षड्यंत्र'

एजेंसी ▶▶| भोपाल

खंडवा जिले में एक मदरसे से 19 लाख रुपये से अधिक की नकली करेंसी बरामद होने के मामले में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रामेश्वर शर्मा ने मदरसों पर गंभीर आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, 'मदरसे अवैध गतिविधियों का केंद्र बनते जा रहे हैं, पहले ऐसा नहीं था। बाहर के लोग आकर मदरसे में काम कर रहे हैं, साथ ही अवैध गतिविधियां भी संचालित कर रहे हैं। मदरसे में पढ़ाने वाले लोग और सब की जानकारी सरकार को हासिल करना चाहिए। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा, 'मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करूंगा कि इस विषय को गंभीरता से लेकर बाकी जो भी प्रदेश में मदरसे हैं, उनके बारे में एक पॉलिसी बनाई जाना चाहिए।'

आतंकवादी तक पकड़े जा चुके

भोपाल की हुजूर सीट से विधायक शर्मा ने आगे कहा, 'पहले भी हमने मदरसों के बारे में कहा था, आज भी मैं कहना चाहता हूं कि जितने भी इस्लामिक स्कॉलर्स हैं, उनसे निवेदन है कि ऐसे मदरसों को बंद करो। यह मदरसे कभी आतंकवादियों के अड्डे, कभी अव्यवस्था, कभी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों, कभी राष्ट्रगान के विरोध के लिए जाने जाते हैं। मौलवी मालेगांव में पकड़ा गया और खंडवा जहां से पहले भी सिमी के आतंकवादी पकड़े जा चुके हैं।

नेपाल आंदोलन का हवाला देकर पोर्न वीडियोज पर सुनवाई से इंकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नेपाल में बैन लगाने के बाद क्या हुआ

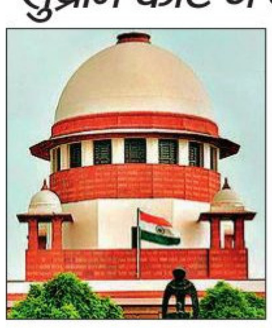

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पोर्नोग्राफी पर बैन लगाने की मांग वाली याचिका पर फिलहाल कोई आदेश देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि नेपाल में जब ऐसा बैन लगाया गया, तो क्या हुआ, वो देखिए। अदालत का इशारा सितंबर में नेपाल में हुए उन प्रदर्शनों की ओर था, जब जेन Z के युवाओं ने सरकार के खिलाफ हिंसक आंदोलन शुरू कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी.आर. गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि यह याचिका चार हफ्ते बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जाएगी। बता दें कि सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकार से मांग की थी कि वह पोर्नोग्राफी देखने पर रोक लगाने के लिए एक राष्ट्रीय नीति और ठोस कार्ययोजना तैयार करे। खासकर नाबालिगों के बीच इस समस्या को नियंत्रित करने के लिए।

भारत में करीब 20 करोड़ अश्लील कंटेंट हैं उपलब्ध

हालांकि अदालत ने यह भी नोट किया कि आज ऐसे सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं जिनसे माता-पिता या अभिभावक बच्चों के इंटरनेट इस्तेमाल पर निगरानी रख सकते हैं या उन्हें अनुचित कंटेंट से रोक सकते हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि भारत में करीब 20 करोड़ अश्लील वीडियो या क्लिप, जिनमें बाल यौन शोषण से जुड़ा कंटेंट भी शामिल है, बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि सूचना प्रौद्योगिकी कानून की धारा 69A के तहत केंद्र सरकार के पास ऐसे वेबसाइट्स को ब्लॉक करने का अधिकार पहले से मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल इस पर कोई ठोस निर्देश नहीं दिया है, लेकिन कहा है कि मामले की सुनवाई चार हफ्ते बाद की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से ऑनलाइन जुए पर जवाब मांगा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी से जुड़े मामलों पर सख़्त रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि ई-स्पोर्ट्स गेम्स के नाम पर चल रहे ऑनलाइन जुए पर सरकार तुरंत कार्रवाई करे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल को निर्देश दिया कि वे अपना जवाब याचिकाकर्ताओं को पहले से उपलब्ध कराएं, ताकि सभी पक्ष समय पर अपनी दलीलें दे सकें। यह मामला ऑनलाइन गेमिंग कानून को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं से जुड़ा है। याचिकाकर्ताओं की मांग है कि ऐसे सभी प्लेटफॉर्म, जो ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए को बढ़ावा दे रहे हैं, उन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

रूस ने कई भारतीयों को यूक्रेन जंग में धकेला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध अब भारतीय परिवारों के लिए एक बड़ा मानवीय संकट बन गया है। बेहतर भविष्य और नौकरी के लालच में रूस भेजे गए हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और अन्य राज्यों के कई युवाओं को धोखे से रूसी सेना में भर्ती कराकर यूक्रेन के युद्ध मोर्चे पर धकेल दिया गया है। इस दर्दनाक घटना के बाद, अपने बच्चों की सुरक्षित वापसी की मांग को लेकर प्रभावित परिवारों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन शुरू कर दिया है। यह पूरा मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एजेंटों की जालसाजी का परिणाम है। हरियाणा के 6 युवक (फतेहाबाद, कैथल, हिसार, रोहतक और जींद से) समेत देश के कई राज्यों के युवा इस जाल में फंस गए। फतेहाबाद के अंकित जांगड़ा और विजय पूनिया को जबरन रूसी आर्मी में भर्ती किया गया। अंकित के भाई रघुवीर ने बताया कि कर्ज लेकर उन्हें लैंग्वेज कोर्स के लिए रूस भेजा गया, लेकिन वहां उन्हें युद्ध की ट्रेनिंग दी गई। विजय को एक रूसी महिला ने सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी का झांसा देकर सेना में शामिल करा दिया। रोहतक के संदीप के पिता बख्शी राम का आरोप है कि उन्हें कुक की नौकरी का लालच दिया गया था, लेकिन एजेंटों ने उन्हें सेना में भर्ती करा दिया। हिसार के अमन की मां सुमन का भी यही आरोप है कि वैध वीजा पर गया उनका बेटा धोखे से युद्ध क्षेत्र में फंसा हुआ है।

डेमोक्रेट्स इसे 'मिनी रेफरेंडम' कह रहे, ट्रंप का होगा लिटमस टेस्ट

न्यूयॉर्क में मेयर का चुनाव आज भारतवंशी ममदानी का दावा मजबूत

वाशिंगटन। अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी 4 नवंबर को अपने नए मेयर का चुनाव करेगी और साथ ही वर्जीनिया और न्यूजर्सी राज्य में गवर्नर और विधानसभा चुनाव होंगे। वॉशिंगटन से लेकर वर्जीनिया और न्यूयॉर्क तक सभी की नजरें इस चुनाव पर टिकी हैं। यह चुनाव तय करेगा कि ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल जनता की उम्मीदों पर खरा उतर रहा है या नहीं। रिपब्लिकन इसे नीतिगत मजबूती का सबूत मान रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट्स इसे 'मिनी रेफरेंडम' कह रहे हैं। यानी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए यह चुनाव अब तक का सबसे बड़ा लिटमस टेस्ट साबित होने वाला है। न्यूयॉर्क मेयर के मुकाबले में भारतीय मूल के युवा नेता जोहरान ममदानी (33) बड़ा चेहरा बनकर उभरें हैं। वे न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य भी हैं। जोहरान युगांडा के लेखक महमूद ममदानी और फिल्म निर्माता मीरा नायर के बेटे हैं। वे डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं और प्रोग्रेसिव वोटरों, युवा, अफ्रीकी-अमेरिकी और लैटिन समुदाय के मजबूत समर्थन में हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार में न सिर्फ शहर की बढ़ती रहने की लागत को मुद्दा बनाया है, बल्कि अमीरों पर टैक्स लगाकर गरीब तबकों के लिए आवास की योजनाएं देने का वादा किया है।

पहले चरण के लिए बिहार में चुनाव प्रचार थमा

-ललन सिंह पर FIR, तेजस्वी ने महिलाओं को ₹30 हजार देने का किया वादा

नई दिल्ली/पटना । बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले सियासत में गरमी और तेज़ हो गई है। मंगलवार शाम 5 बजे पहले फेज की सीटों पर चुनाव प्रचार थम गया। इस चरण में सभी प्रमुख दलों के नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। लेकिन प्रचार खत्म होने से कुछ घंटे पहले ही राज्य की राजनीति में बड़ा विवाद उस वक्त खड़ा हो गया जब केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज कर लिया गया।

ललन सिंह पर केस दर्ज-
चुनाव आयोग ने मंगलवार को पटना में ललन सिंह के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। आरोप है कि उन्होंने प्रचार के दौरान ऐसी अपील की, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करती है। दरअसल, सोमवार को ललन सिंह ने जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के समर्थन में एक चुनावी सभा को संबोधित किया था।

इस दौरान उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वे लोगों से कहते सुने गए— "यहां कुछ नेता हैं, जिनको चुनाव के दिन घर से निकलने मत दीजिएगा। उन्हें घर में ही बंद कर दीजिएगा। अगर वे हाथ-पैर जोड़ें तो कहिएगा, पहले हमारे साथ चलकर वोट दीजिए और फिर घर में बैठिए।" ललन सिंह के इस बयान को लेकर विपक्ष ने चुनाव आयोग से शिकायत की। राजद (RJD) ने इस वीडियो को अपने एक्स (X) हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा कि "जदयू नेता और केंद्रीय मंत्री गरीबों को वोट डालने से रोकने की साजिश रच रहे हैं।"

चुनाव आयोग की सख़्ती-
वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया और ललन सिंह से जवाब मांगा। आयोग ने कहा कि उनका बयान मतदाताओं को प्रभावित करने और कुछ लोगों को मतदान से रोकने की नीयत से दिया गया प्रतीत होता है, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। इसके बाद पटना के सचिवालय थाना में मंगलवार को FIR दर्ज की गई। इस घटना के बाद राजनीतिक माहौल और गरम हो गया है।

जदयू ने आरोपों को बताया गलत-
जदयू की ओर से बयान जारी कर कहा गया कि ललन सिंह के वीडियो को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि "ललन सिंह ने कहीं भी किसी को वोट डालने से रोकने की बात नहीं की। वीडियो एडिटेड है और राजनीतिक फायदा उठाने के लिए विपक्ष द्वारा इसे वायरल किया गया है।" जदयू नेताओं का कहना है कि विपक्ष विकास के मुद्दों से भटक गया है और चुनाव से पहले जानबूझकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है।

तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान-
इसी बीच, राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव ने मंगलवार को पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के लिए 'माई बहिन मान योजना' के तहत एक बड़ा वादा किया। तेजस्वी ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो 14 जनवरी, मकर संक्रांति के दिन, राज्य की सभी पात्र महिलाओं के खातों में ₹30,000 की राशि ट्रांसफर की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा— "यह ₹30 हजार पूरे साल का लाभ होगा। हर साल मकर संक्रांति के दिन महिलाओं को यह राशि दी जाएगी। पांच सालों में कुल डेढ़ लाख रुपये उनके खाते में जाएंगे।" तेजस्वी ने दावा किया कि उनकी सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राज्य की 'जीविका दीदियों' को स्थायी रोजगार दिया जाएगा और उन्हें ₹30,000 प्रतिमाह वेतन मिलेगा।

महिलाओं को लुभाने की कोशिश-
राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तेजस्वी यादव का यह ऐलान महिला मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश है। बिहार में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों के लगभग बराबर है, और कई सीटों पर उनका झुकाव चुनावी नतीजों को तय कर सकता है। तेजस्वी का यह ऐलान एक तरह से 'लाभार्थी राजनीति' (beneficiary politics) की दिशा में कदम माना जा रहा है, जैसा कि हाल के वर्षों में कई राज्यों में देखा गया है।

पहले चरण का मतदान और माहौल-
बिहार में पहले चरण का मतदान इस सप्ताह के अंत में होना है। इस चरण में राज्य की कई अहम सीटें शामिल हैं, जिन पर सभी प्रमुख दलों की साख दांव पर है। प्रचार के आखिरी दिन तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं ने जनसभाएं कीं। लेकिन प्रचार थमते-थमते ललन सिंह का बयान और FIR का मुद्दा सियासत का नया केंद्र बन गया। अब देखना यह है कि क्या यह विवाद जदयू के लिए नुकसानदेह साबित होता है या विपक्ष के लिए नया मुद्दा बनता है। पहले चरण के चुनाव प्रचार के समापन के साथ बिहार की राजनीति एक बार फिर विवाद और वादों के दो ध्रुवों पर खड़ी नजर आ रही है। एक ओर ललन सिंह पर आचार संहिता उल्लंघन का मामला सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण का भरोसा देकर नई ऊर्जा भरने की कोशिश में हैं। अब जनता किस पर भरोसा जताती है, इसका फैसला मतदान के दिन होगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,